दैनिक
# इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-4 अंक-294 भोपाल, रविवार 5 सितंबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

**आज का सुविचार**

**अपने को संकट में डाल कर कार्य संपन्न करने वालों की विजय होती है, कायरों की नहीं।**
**- जवाहरलाल नेहरू**

**पंचांग**

भाद्रपद कृष्णा
त्रयोदशी, रविवार
विक्रम, संवत 2078

**मौसम**

| | |
|---|---|
| सूर्योदय/सूर्यास्त | 6:02/6:39 |
| वर्षा/बादल % | 42 % |
| नमी % | 84 % |
| वायु (किमी/घ.) | 06 |
| तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.) | 29°/23° |

**स्वर्ण दर 24 कैरेट**

प्रति 10 ग्राम/1तौला
₹ 48,600

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज भोपाल

# नई सरकार के ऐलान से पहले काबुल में महिलाओं का प्रदर्शन हिंसक हुआ, तालिबान ने आंसू गैस छोड़ी

तालिबान आज अफगानिस्तान में नई सरकार का ऐलान करने वाला है। इससे पहले वहां महिलाओं का विरोध-प्रदर्शन हिंसक हो गया है। काबुल में महिलाओं के अधिकारों की आवाज उठा रहीं एक्टिविस्ट को तालिबानियों ने आंसू गैस छोड़कर रोकने की कोशिश की है। दो दिन से प्रदर्शन कर रहीं इन महिलाओं का कहना है कि नई सरकार में उनकी भागीदारी होनी चाहिए और अहम भूमिका मिलनी चाहिए।

## ISI के चीफ काबुल पहुंचे

तालिबान के बुलावे पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ड्डस्ड्ड के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद काबुल पहुंचे हैं। ये जानकारी पाकिस्तानी पत्रकार हमजा अजहर सलाम ने शेयर की है। उन्होंने बताया है कि ड्डस्ड्ड के चीफ तालिबानी हुकूमत में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रिश्तों के भविष्य पर चर्चा करेंगे। बता दें पाकिस्तान और ड्डस्ड्ड पर तालिबान की मदद के आरोप लगते रहे हैं।
अफगानिस्तान पर तालिबानी कब्जे के पीछे भी पाकिस्तान का हाथ होने के आरोप हैं।

## काबुल में तालिबान की फायरिंग में 17 लोगों की मौत

अफगानिस्तान की पंजशीर घाटी में तालिबान और रेजिस्टेंस फोर्स के बीच भीषण जंग जारी है। इस बीच दोनों ने पंजशीर को जीतने का दावा किया है। तालिबान का कहना है कि अब पंजशीर पर भी उसका नियंत्रण हो गया है। पंजशीर पर जीत की खुशी में तालिबान ने शुक्रवार को काबुल में हवाई फायरिंग की थी। इसमें 17 लोगों की मौत हो गई और 41 घायल हो गए। यह जानकारी टोलो न्यूज ने दी है। तालिबानियों की फायरिंग के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

## तालिबान को पालने वाले पाकिस्तान पर नजर रखनी होगी : भारत

अफगानिस्तान के मुद्दे पर भारत के विदेश सचिव हर्ष वर्धन श्रृंगला ने वॉशिंगटन में मीडिया से बातचीत में कहा है कि अफगानिस्तान के हालात पर अमेरिका और भारत नजर बनाए हुए हैं। साथ ही कहा कि अफगानिस्तान के पड़ोसी पाकिस्तान ने तालिबान का समर्थन किया और वह तालिबान को पालता रहा है। ऐसी कई बातें हैं जिनमें पाकिस्तान ने तालिबान की मदद की है, इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान की भूमिका पर नजर रखनी होगी। श्रृंगला ने ये भी कहा कि जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों की अफगानिस्तान में बेरोकटोक आवाजाही और उनकी भूमिका चिंताजनक है। हम सतर्कता से इस पर नजर रखेंगे।

**तालिबान के कश्मीर राग पर भारत का करारा जवाब:-** अफगानिस्तान में सरकार के ऐलान से पहले कश्मीर का राग अलापने वाले तालिबान को भारत ने करारा जवाब दिया है। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शुक्रवार को कहा है कि भारत संविधान का पालन करता है। यहां मस्जिदों में दुआ करते लोगों पर गोलियों और बम से हमला नहीं किया जाता।

## केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने थर्मल पावर प्लांट्स का लिया जायजा, ताकि कोयले की किल्लत से बिजली गुल ना हो जाए

**नई दिल्ली।** केंद्रीय विद्युत और नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने शनिवार को थर्मल पॉवर प्लांट्स का जायजा लिया। उन्होंने बिजली, कोयला और रेलवे मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बिजली की मांग में बढ़ोतरी को देखते हुए कोयले के भंडारण को लेकर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिजली की सप्लाई बनाए रखने के लिए मिलजुलकर काम जारी रखा जाए। बैठक का मुख्य फोकस इस मुद्दे पर था कि कोयले की किल्लत से बिजली गुल ना हो जाए।

## बदलती चुनौतियों से निपटने में पुलिस को सक्षम बनाएं पुलिस अनुसंधान ब्यूरो: शाह

**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि अगला एक दशक देश के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है इसलिए पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपी आर एंड डी) को पुलिस बलों को आंतरिक और बाहरी सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में हर तरह से सक्षम बनाने की दिशा में तेजी से काम करने की जरूरत है। श्री शाह ने आज यहां बीपी आर एंड डी के 51 वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस के हाथों में है जबकि विभिन्न केंद्रीय पुलिस बल सीमाओं की निगरानी मुस्तैदी से कर रहे हैं। उन्हें यह कहने में कोई संकोच नहीं है की देश बहुत सलामत हाथों में है।

**वैक्सीनेशन में मुंबई अव्वल : करीब 28 लाख लोगों को लगा दूसरा डोज**

# मुंबई एक करोड़ से ज्यादा टीकाकरण करने वाला देश का पहला जिला बना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज मुंबई

बृहन्मुंबई महानगर पालिका के प्रयास के बाद मुंबई देश का पहला ऐसा जिला बन गया है जहां एक करोड़ से ज्यादा लोगों का वैक्सीनेशन हुआ है। CoWIN पोर्टल पर अपलोड किए आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार तक यहां 1 करोड़ 63 हजार 497 लोगों को कोरोना का टीका लगा है। इसमें से 72 लाख 75 हजार 134 ऐसे लोग हैं, जिन्हें पहली डोज और 27 लाख 88 हजार 363 ऐसे हैं जिन्हें दोनों डोज लग चुकी हैं।

## सेकंड डोज वालों की संख्या बढ़ाने का प्रयास

एक करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी BMC अब आने वाले दिनों में सेकंड डोज वाले लोगों के टीकाकरण को बढ़ाने का प्रयास करने जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को पूरे शहर में सिर्फ सेकंड डोज वालों को वैक्सीन लग रही है।

## 27 अगस्त को सबसे ज्यादा लोगों का टीकाकरण हुआ

BMC के मुताबिक, अभियान की शुरुआत के बाद 27 अगस्त को सबसे ज्यादा 1 लाख 77 हजार 17 लोगों का टीकाकरण हुआ है। जिले में 507 जगहों पर टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इनमें से 325 सरकारी केंद्र हैं, जबकि 182 केंद्र प्राइवेट अस्पतालों द्वारा चलाए जा रहे हैं। CoWIN पोर्टल के अनुसार, मुंबई में 21 अगस्त को 1 लाख 63 हजार 775 लाख लोगों को वैक्सीन लगाई गई थी। इसके बाद 23 अगस्त को 1 लाख 53 हजार 881 लोगों का टीकाकरण हुआ था।

## मुंबई में कोरोना की स्थिति

इस बीच, मुंबई में शुक्रवार को 422 नए कोविड -19 मामले दर्ज किए गए। ये लगातार तीसरी दिन है जो 400 से अधिक कोरोना मामले सामने आए हैं। अब कुल मिलाकर कोरोना का आंकड़ा 7,45,434 हो गया है, जबकि मरने वालों की संख्या बढ़कर 15,987 हो गई। 1 और 2 सितंबर को, शहर में 416 और 441 कोविड-19 के केस दर्ज हुए थे। इस साल, मुंबई में 4 अप्रैल 2021 को सबसे अधिक 11,163 पॉजिटिव मरीज दर्ज किए गए थे, जबकि 1 मई को महामारी की दूसरी लहर के दौरान सबसे अधिक 90 मौतें दर्ज की गईं। इस साल सबसे कम केस 16 अगस्त को 190 दर्ज किए गए थे।

**महाकाल मंदिर में नई व्यवस्था**

## वीआईपी दर्शन के लिए नया प्रोटोकॉल ऑफिस बनेगा, 100 रुपए देकर घर बैठे ई-पास बनवा सकेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज भोपाल

उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में वीआईपी श्रद्धालु और प्रोटोकॉल वाले भक्त घर बैठे 100 रुपए जमा करके ई-पास बनवा कर दर्शन कर सकेंगे। इसके साथ ही मंदिर में नया प्रोटोकॉल ऑफिस भी बनाया जाएगा। ये ऑफिस हरी फाटक ब्रिज के नीचे ग्रामीण हाट बाजार में तैयार हो रहा है। इसके तैयार होने के बाद ही ई-पास की व्यवस्था भी शुरू हो जाएगी।

**ऐप के जरिए बनवा सकेंगे ई-पास:-** उज्जैन के कलेक्टर आशीष सिंह का कहना है कि प्रोटोकॉल वाले श्रद्धालुओं को नए ऑफिस से पास जारी किए जाएंगे। वे ऑफिस में जाकर 100 रुपए जमा कराकर पास ले सकेंगे। इस पास में नाम, मोबाइल नंबर और टोकन नंबर प्रिंट होगा। जो लोग ऑफिस नहीं जाना चाहें उनके लिए ई-पास की सुविधा होगी। इसमें श्रद्धालु घर बैठे ऐप के जरिए पैसे जमा कर पास का प्रिंट ले सकेंगे। ई-पास में नाम, टोकन नंबर और जिस गेट से एंटर करना है उसकी जानकारी प्रिंट होगी। कलेक्टर का कहना है कि इससे भक्तों को आसानी होगी। साथ ही प्रोटोकॉल के नाम पर चल रहीं गड़बड़ियां भी बंद हो जाएंगी।

# मामता के विधानसभा पहुंचने का रास्ता साफ, 30 सितंबर को भबानीपुर सहित 3 सीटों पर होंगे उपचुनाव

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज बंगाल

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का विधानसभा पहुंचने का रास्ता साफ होता नजर आ रहा है। चुनाव आयोग ने भबानीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव को हरी झंडी दे दी है। यहां 30 सितंबर को मतदान होगा और 3 अक्टूबर को वोटों की गिनती होगी। इसके अलावा बंगाल के समसेरगंज, जंगीपुर और ओडिशा की पीपली सीट पर भी वोटिंग होगी। ममता बनर्जी को बंगाल चुनाव में भाजपा के शुभेंदु अधिकारी से शिकस्त मिली थी। शुभेंदु ने नंदीग्राम सीट से जीत हासिल की थी। ड्डस्ड्ड के विधायक दल ने ममता को ष्टरू चुना था। उनके पास राज्य की किसी भी

सीट से चुनाव लड़कर विधानसभा पहुंचने के लिए 6 महीने का समय है। ऐसा न होने पर उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ सकता है। तृणमूल नेता सोवनदेब चटोपाध्याय भबानीपुर सीट से चुनाव जीते थे, लेकिन बाद में उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। ममता बनर्जी के इस सीट से ही चुनावी मैदान में उतरने का दावा किया जा रहा है।

## ममता ने भी चुनाव आयोग से की थी मांग

बंगाल में उपचुनाव कराने की मांग को लेकर ममता भी दो बार चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात कर चुकी हैं। TMC के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी चुनाव आयोग से मुलाकात की थी। दल में सांसद सौगत रॉय, महुआ मोइत्रा, जवाहर सरकार, सुखेंदु शेखर रॉय और सजदा अहमद शामिल थे। इस मीटिंग के बाद चुनाव आयोग ने कर कहा था कि आयोग का काम चुनाव कराना है न की उसे रोकना। उप-चुनाव में हार के बाद ममता को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं रह जाएगा।

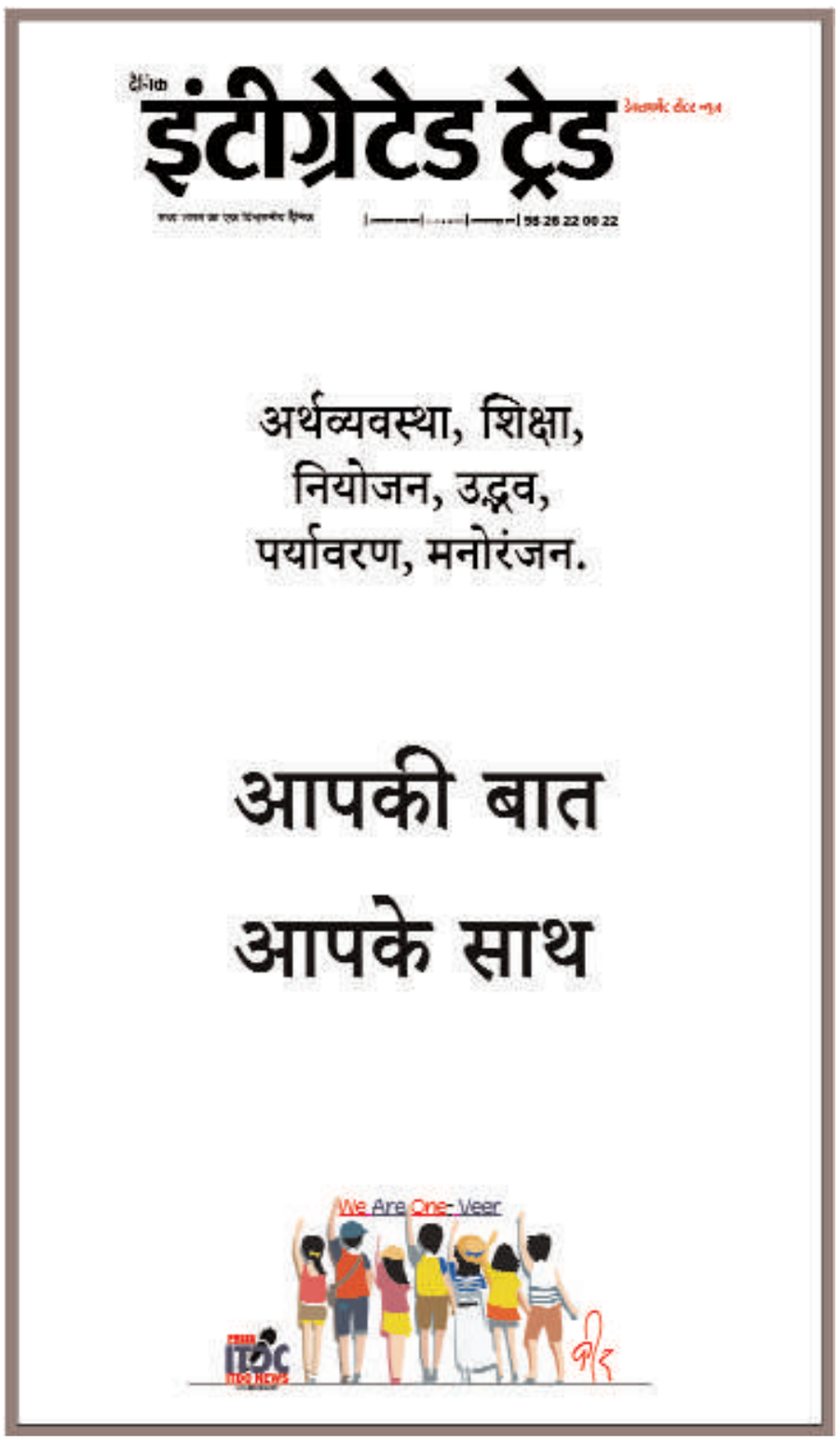


**सिद्धार्थ की मौत के मीडिया कवरेज पर अनुष्का की नाराजगी : अनुष्का शर्मा ने कहा-**

# सेलिब्रिटी की मौत उनके लिए तमाशा ही रहेगी, वो तुम्हें इंसान नहीं समझते

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

एक्टर और 'बिग बॉस 13' के विनर सिद्धार्थ शुक्ला का 2 सितंबर को निधन हो गया। सिद्धार्थ का अंतिम संस्कार शुक्रवार (3 सितंबर) शाम को मुंबई के ओशिवारा श्मशान घाट में किया गया। अंतिम संस्कार में उनके फैमिली मेंबर्स, फ्रेंड्स, टीवी और फिल्म इंडस्ट्री के सेलेब्स समेत कई फैंस भी शामिल हुए थे। साथ ही कवरेज के लिए बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी भी वहां मौजूद थे। अब एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने कहा है कि सेलिब्रिटी की मौत को मीडिया 'तमाशा' में तब्दील कर देता है। दरअसल, स्टैंड-अप कॉमेडियन, एक्टर और यूट्यूबर जाकिर खान ने हाल ही में एक पोस्ट शेयर कर सेलिब्रिटीज की मौत पर मीडिया कवरेज

को लेकर नाराजगी जताई है। अनुष्का शर्मा ने जाकिर खान के इस पोस्ट को ही अपनी सोशल मीडिया स्टोरी पर शेयर किया है। हालांकि उन्होंने जाकिर के पोस्ट के साथ अपनी तरफ से कुछ नहीं लिखा, लेकिन पोस्ट पढ़कर समझा जा सकता है कि उन्होंने सिद्धार्थ की मौत को लेकर मीडिया में चल रहीं खबरों और सोशल मीडिया पर वायरल फोटोज और वीडियोज पर गुस्सा और नाराजगी जताई है।

## तुम्हारी लाश उनके लिए बस तस्वीर लेने का एक और मौका

अनुष्का शर्मा द्वारा शेयर किए गए जाकिर खान के पोस्ट में लिखा है, वो तुम्हें इंसान नहीं समझते। इसलिए नहीं है कोई लाइन, न कोई बाउंड्रीज हैं। तुम्हारी लाश उनके लिए कोई रूह निकला जिस्म नहीं। बस तस्वीर लेने का एक और मौका है, जितनी हो सके उतनी। यह वैसे है जैसे, दंगो में किसी जलते घर में से बर्तन चुराने की कोशिश करना। क्योंकि, इसके बाद तुम उनके क्या ही काम आओगे। ज्यादा से ज्यादा 10 तस्वीरें, 5 खबरें, 3 वीडियोज, 2 स्टोरी, एक पोस्ट और बस खत्म। इसलिए तुम्हारी मौत तमाशा ही रहेगी।

## तुम्हारे मरने के बाद, तुम्हारे रोते-बिलखते अपने अब उनकी भूख मिटाएंगे

पोस्ट में आगे लिखा है, रोती मां भी तमाशा। गम से टूटा हुआ बाप तमाशा। बेसुध बहन, हिम्मत हारे हुए भाई, तुमसे मोहब्बत करता हर इंसान उनके लिए बस तमाशा है। तुम जिंदा होते तो बात अलग थी। तुम्हारे मरने के बाद, तुम्हारे रोते-बिलखते अपने अब उनकी भूख मिटाएंगे। बस बता रहा हूं...कि यही जिंदगी चुनी है तुमने और मैंने। जीते जी ये बात मालूम रहे तो तुम्हे शायद मलाल कम होगा आखिरी बार आंखे बंद होने से पहले। इसलिए खुश रहो, अपने दोस्तों में, प्यार करो अपने लोगों से, बहुत सारा सीखो, नए रिश्ते बनाओ। बस उनके लिए मत जीना। जितना बचा है, अपने लिए जीना। क्योंकि उनके हिसाब से....तुम इंसान ही नहीं हो।

# प्रदेश में नए औद्योगिक निवेश प्रस्तावों को सभी सुविधाएँ

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय के नेत्र रोग विभाग में राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के तहत नेत्रदान के प्रति जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं।

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल**

प्रदेश में नवीन निवेश प्रस्तावों को प्रोत्साहित करते हुए राज्य शासन द्वारा आवश्यक सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। हाल ही में टेक्सटाइल, खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश के लिए प्राप्त प्रस्तावों के परीक्षण की कार्यवाही की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से इस सप्ताह अर्न इंडिया मैन्यूफेक्चरिंग, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, अविगना प्राइवेट लिमिटेड, सागर ग्रुप और विहान इंटरप्राइजेज के पदाधिकारी निवेश प्रस्ताव के साथ मिले हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवेशकों को आश्वस्त किया है कि उन्हें राज्य शासन की ओर से भूमि सहित अन्य सभी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी। उद्योग नीति के अंतर्गत दी जाने वाली रियायतों को प्राप्त करना निवेशकों का अधिकार है। कोरोना के दौर के बाद बड़ी संख्या में रोजगार सृजन की जरूरत को देखते हुए नए निवेश को भरपूर प्रोत्साहन दिया जाएगा। अन्य देशों विशेषकर चीन आदि से अपने उद्योग भारत में स्थानांतरित करने वाले उद्योगपतियों को भी मध्यप्रदेश में आकर्षित करने के प्रयास हो रहे हैं।

इस क्रम में गत माह अर्न इंडिया मैन्यूफेक्चरिंग के सीईओ भी मुख्यमंत्री श्री चौहान से भेंट कर एलइडी लाइट्स और स्मार्ट होम प्रोडेक्ट्स की 200 करोड़ रूपए लागत की इकाई स्थापित करने की मंशा से अवगत करवा चुके हैं। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम द्वारा होशंगाबाद में 400 करोड़ रूपए की पूंजीगत व्यय से कैंसर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की स्थापना में सहयोग के लिए प्रस्ताव दिया गया है। विहान इंटरप्राइजेज ने 185 करोड़ रूपए के निवेश से प्रसंस्करण इकाईयों और संयंत्रों की स्थापना का प्रस्ताव दिया है। यह उद्योग सीहोर जिले में बुधनी के निकट ग्राम बासापुर-जर्रापुर में लगाना प्रस्तावित है। अविगना प्राइवेट लिमिटेड ने कृषि और लॉजिस्टिक के क्षेत्र में अपने प्रस्ताव से अवगत करवाया है। सागर ग्रुप ने 1000 करोड़ रूपए से भोपाल में मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल प्रारंभ करने की कार्य-योजना को आगे बढ़ाया है।

## आरा-मशीनों के लायसेंस अब 3 साल के बजाय 5 साल में होंगे नवीनीकरण

प्रदेश में स्थापित आरा-मशीनों के लिये अब 5 साल की अवधि में लायसेंस नवीनीकरण कराये जाने का प्रावधान कर दिया गया है। अभी तक 3 साल में नवीनीकरण कराया जाना अनिवार्य था। राज्य शासन के वन विभाग द्वारा मध्यप्रदेश काष्ठ चिरान (विनियमन) नियम-1984 में यह संशोधन किया गया है। लायसेंस नवीनीकरण के लिये 2,500 रुपये आवेदन शुल्क निर्धारित है।

## न्यूज ब्रीफ

### राघोगढ़ के सपेरों का सीएम हाउस के पास डेरा : दबंगों ने कर लिया जमीन पर कब्जा, पुलिस को नहीं लगी सपेरों के आने की भनक

**भोपाल।** राघोगढ़ से आए सपेरों ने भोपाल में मुख्यमंत्री निवास के सामने डेरा डाल दिया। शनिवार सुबह बड़ी संख्या में सपेरे सीएम हाउस के पास पहुंच गए। इसमें बड़ी संख्या महिलाएं, बच्चे भी हैं। सपेरों का कहना है कि विजयपुर गांव, राघोगढ़ के दबंगों ने उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया है। स्थानीय प्रशासन से कोई सहयोग नहीं मिल रहा। इसलिए वह अपनी समस्या बताने शनिवार को भोपाल पहुंचे। पूरे घटनाक्रम में भोपाल पुलिस की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। पुलिस को इतनी बड़ी संख्या में सपेरों को जुटने की भनक तक नहीं लगी। जब सपेरे सीएम हाउस के पास पहुंचे तो सीएम हाउस की सुरक्षा में लगे जवानों ने पुलिस को सूचना दी। थोड़ी देर बाद पुलिस ने मोर्चा संभाला। सपेरे विजयपुर गांव के रहने वाले हैं।

### भोपाल में आज से गणेश प्रतिमा बनाना सीखें; तोहफे में प्रतिमा अपने साथ घर भी ले जाओ

**भोपाल।** भोपाल में पर्यावरण को बचाने के लिए अनूठा प्रयोग किया जा रहा है। आप गणेश प्रतिमा बनाएं और फिर उसे ही तोहफे में अपने साथ घर भी ले जाएं। जी हां एप्को ग्रीन गणेश अभियान के तहत आम लोगों के लिए 4 से 8 सितंबर तक गणेश प्रतिमा बनाने के लिए फ्री में प्रशिक्षण और पूरा सामान देगा। पांच दिन तक हर दिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक पर्यावरण परिसरई- 5 अरेरा कालोनी भोपाल में गणेश प्रतिमा निर्माण का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा।

**पूरा सामान भी मिलेगा:-** शिविर में प्रतिभागियों को मिट्टी उपलब्ध करवाई जाएगी। वे अपने हाथों से गणेश प्रतिमा का निर्माण कर सकेंगे। प्रतिभागी प्रशिक्षकों की सहायता से निर्मित प्रतिमाओं को अपने साथ निःशुल्क घर ले जा सकेंगे। शिविर में गणेश प्रतिमा को प्राकृतिक रंगों से सजावट की तकनीक भी सिखाई जाएगी।

# भोपाल में रफ्तार का कहर : कार की टक्कर से 10 फीट हवा में उछला साइकिल सवार

### 20 घंटे तक मर्चुरी में रखा रहा युवक का शव, परिजनों को पीएम कराने के लिए मनाती रही पुलिस, दोपहर में बहन हुई तैयार

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल**

भोपाल के पिपलानी इलाके में तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार की जान ले ली। कार की रफ्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टक्कर लगने से साइकिल सवार करीब 10 फीट हवा में उछलकर सड़क किनारे पटरी में गिरा। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। पुलिस युवक का पीएम कराने शुक्रवार शाम से उसके परिजनों, रिश्तेदारों को मनाती रही, लेकिन कोई तैयार नहीं हुआ। शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे युवक की बहन थाना पहुंची। वह भाई के अंतिम संस्कार, पीएम कराने के लिए तैयार हुई।

एएसआई कौशलेंद्र सिंह ने बताया कि शांतनु तान्या (45) अमृतपुरी, अवधपुरी में अपनी वृद्ध मां चंद्रा बाई के साथ किराये के मकान में रहता था। शांतनु मेहनत-मजदूरी कर घर चलाता था। शुक्रवार शाम करीब पांच बजे वह बरखेड़ी पठानी की तरफ से साइकिल से लौट रहा था। वह अभी जंबूरी मैदान गैस गोदाम के पास पहुंचकर सड़क पार कर रहा था तभी तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई।

बहनों के साथ शांतनु।

### मां को दोपहर में पुलिस ने बताया, हुई बेसुध

पुलिस ने शांतनु की मौत की जानकारी उसकी मां चंद्रा को शनिवार दोपहर में बताई। बेटे की खबर सुनकर मां बेसुध हो गईं। एएसआई कौशलेन्द्र ने बताया कि शांतनु के पीएम के लिए कोई तैयार नहीं हो रहा था। उसकी बहन ने भी शुक्रवार को कहा था आप लोग देख लीजिए। शनिवार को काफी मनाने के बाद बहन पीएम और अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुई।

### परिवार का इकलौता बेटा था शांतनु

एएसआई कौशलेंद्र ने बताया कि शांतनु के पिता का निधन हो चुका है। उसकी दो बहने हैं। एक बहन कोलाकाता में रहती है, जबकि दूसरी बहन भोपाल में रह रही है। पिता की मौत के बाद उस पर बुजुर्ग मां की जिम्मेदारी थी। वह परिवार का इकलौता बेटा था। लॉकडाउन और कोरोना कर्फ्यू के बाद से शांतनु की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई थी।

## मुख्यमंत्री ने दादाभाई नौरोजी की जयंती पर किया नमन

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल**

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने द ग्रेंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया के नाम से विख्यात दादाभाई नौरोजी की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास पर दादाभाई नौरोजी के चित्र पर माल्यार्पण किया। दादाभाई नौरोजी का भारत की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान रहा। दादाभाई नौरोजी भारत में राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व के संस्थापकों की श्रेणी में आते हैं। उन्होंने औपनिवेशिक प्रशासन की बुराइयों को पकड़ा। वे एक बुद्धिजीवी, शिक्षाविद, अर्थशास्त्री, कट्टर राष्ट्रवादी, समाज सुधारक और शिक्षक थे। अदादाभाई नौरोजी ने रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बॉम्बे और लंदन में ईस्ट इंडियन एसोसिएशन जैसे कई संगठनों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे ब्रिटिश संसद के सदस्य बनने वाले पहले भारतीय थे। उन्होंने यूनाइटेड किंगडम, हाउस ऑफ कॉमन्स में लिबरल पार्टी के सदस्य के रूप में संसद सदस्य की जिम्मेदारी निभाई। दादाभाई नोरोजी का निधन 30 जून, 1917 को हुआ।

## मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट उद्यान में नीम का पौधा रोपा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट सिटी सिटी उद्यान में नीम का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के परिपालन में प्रतिदिन पौधा रोपण करते हैं। इस अवसर पर अलीराजपुर के पूर्व विधायक श्री नागर सिंह चौहान में भी उपस्थित थे। एंटीबायोटिक तत्वों से भरपूर नीम को सर्वोच्च औषधि ?के रूप में जाना जाता है। नीम स्वाद में भले ही कड़वा हो, लेकिन इससे होने वाले लाभ अमृत के समान होते है।

# राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा 8 सितम्बर तक

### पिछले 5 वर्षों में कुल 1935 संकल्प-पत्र भरवाये गये

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल**

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इसके अंतर्गत गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय के नेत्र रोग विभाग द्वारा लोगों में नेत्रदान के प्रति जागरूकता लाने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि चिकित्सालय में विभिन्न स्थानों आकस्मिक चिकित्सा एवं ट्रॉमा ब्लॉक तथा सर्जरी, मेडिसिन, बाह्य रोग विभाग एवं कमला नेहरू अस्पताल परिसर में नेत्रदान के लिये संकल्प-पत्र भरवाये गये। पिछले 5 वर्षों में कुल 1935 संकल्प-पत्र भरवाये गये। इस अवधि में नेत्र रोग विभाग को कुल 121 नेत्रदान हुए। भोपाल सहित आसपास की जगहों से भी नेत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 59 नेत्रों का प्रत्यारोपण हुआ। इस वर्ष भी 250 संकल्प-पत्र भरवाने का लक्ष्य है। विभाग द्वारा पैरामेडिकल, स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को नेत्रदान/अंगदान के संबंध में व्यायान दिया जा रहा है। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में नेत्रदान की जानकारी से संबंधित क्विज भी आयोजित की जा रही है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। विगत वर्षों में स्कूलों में नेत्र परीक्षण का आयोजन कर लोगों में नेत्रदान के प्रति जागरूकता लाई गई। इस वर्ष कोविड महामारी के कारण यह आयोजन नहीं हो सका। सभी स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा अस्पतालों में नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर लोगों में नेत्रदान के प्रति जागरूकता लाई गई। सोशल मीडिया एप, व्हाट्स एप और फेसबुक का उपयोग भी जागरूकता के लिये किया गया। रेडियो, समाचार-पत्र एवं दूरदर्शन/टी.वी. के माध्यम से जागरूकता फैलाने के लिये कार्यक्रम किये गये। प्रति वर्ष नेत्र रोग विभाग में नेत्रदान पखवाड़ा का समापन समारोह नेत्र-दाताओं के सम्मान में आयोजित किया जाता है। इसमें नेत्रदानकर्ताओं के परिजनों को सम्मानित किया जाता है। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को नेत्रों के अभिसरण, कॉर्नियल रिम की तैयारी, उसका संरक्षण तथा उसकी श्रेणी निर्धारण एवं ऊतक निष्पादन इन सबके व्यक्तिगत परीक्षण की जानकारी दी गई।

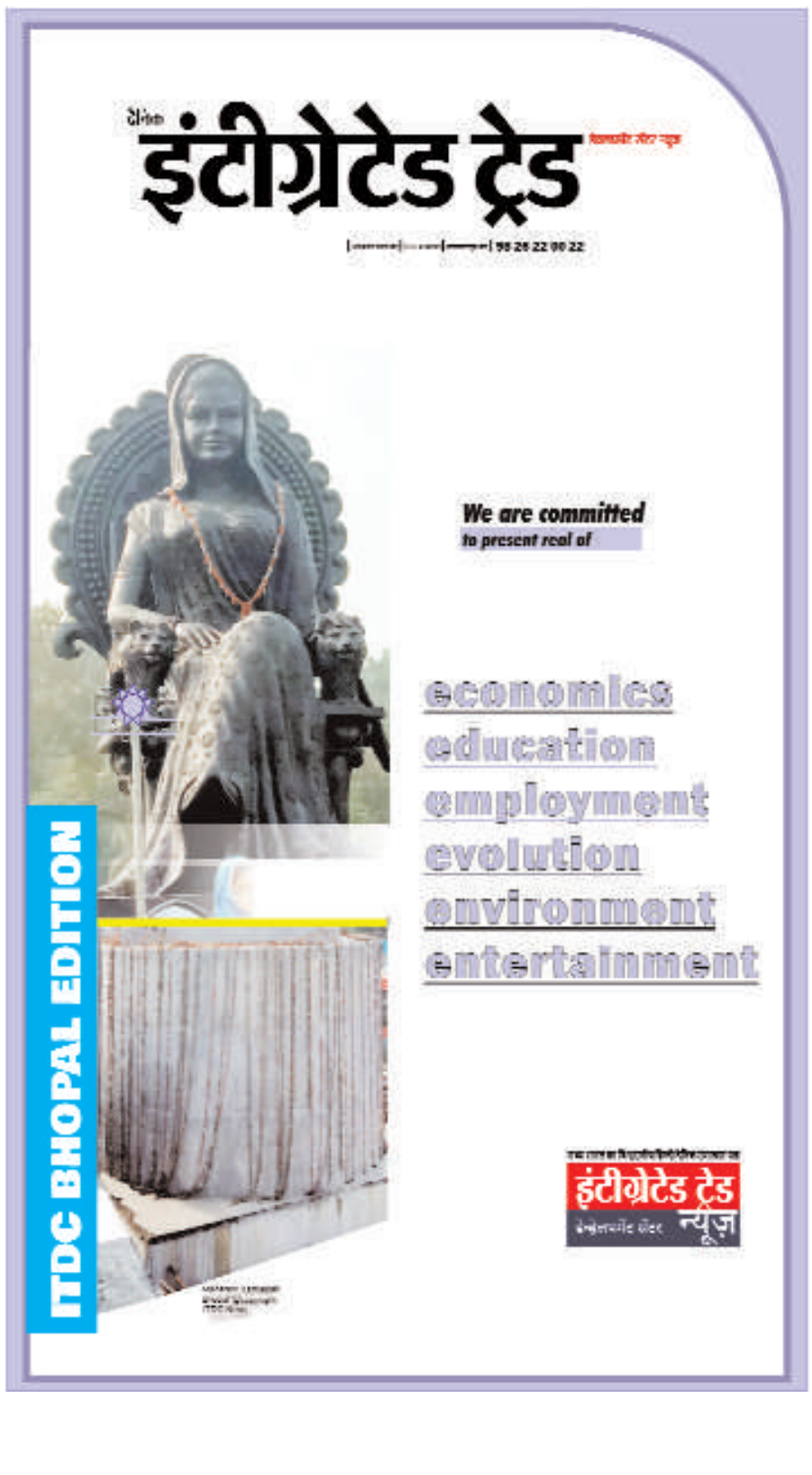

## न्यूज ब्रीफ

### ट्राई के आदेश ने शुल्क बढ़ाने के दरवाजे खोले

**नई दिल्ली।** भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार ऑपरेटरों को शुल्क दरों में एक ही श्रेणी के उपभोक्ताओं के बीच किए जाने वाले भेदभाव को लेकर आदेश जारी किया है। नियामक ने कहा है कि दूसरी दूरसंचार कंपनी के उपभोक्ता को अपने साथ जोडने के लिए उसे अलग दरों की पेशकश करने की छूट नहीं दी जा सकती है। विश्लेषकों का अनुमान है कि ट्राई का यह आदेश दूरसंचार उद्योग में एकमुश्त शुल्क वृद्धि की दिशा में उठा पहला कदम है। लेकिन सूत्रों के मुताबिक, ट्राई के इस आदेश के बाद भी दूरसंचार कंपनियां अपने मौजूदा ग्राहकों को रियायती दरों पर सेवाएं देने का सिलसिला आगे भी जारी रख सकती हैं। स्वेच्छा से शुल्क बढ़ाने पर सरकार की आपत्तियों के बावजूद एक ऑपरेटर ने कहा था कि दिसंबर 2019 में सभी कंपनियों का 30-40 फीसदी शुल्क बढ़ाने के एक साथ लिया गया फैसला भी कारगर नहीं साबित हुआ था। इसकी वजह है कि कंपनियों ने अपने ग्राहकों को बनाए रखने के लिए रियायती दर पर सेवाएं देने की पेशकश करनी शुरू कर दी थी। उनका कहना था कि नंबर पोर्टिंग को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिस्पर्धी कंपनियां उनके उपभोक्ताओं को तीन महीने तक रियायती शुल्क पैकेज की पेशकश कर रही हैं। यहां तक कि इन शुल्क दरों की जानकारी ट्राई को भी नहीं दी जा रही थी। विभेदी शुल्क दरों का विरोध करने वाले ऑपरेटर ने कहा था कि वह दूरसंचार उद्योग के साथ चलने को तैयार है बशर्ते कि नियामक या सरकार ऐसी मनमानी योजनाओं पर लगाम लगाने के लिए एक संस्थागत व्यवस्था बना दे। ट्राई का नया आदेश भी ऑपरेटरों को अलग शुल्क दरों की पेशकश करने से रोकने के लिए शायद काफी न हो। ट्राई का यह आदेश भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के सभी वर्गों में शुल्क वृद्धि के फैसले के बीच आया है। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील मित्तल ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि शुल्क बढ़ाना कारोबार में बने रहने के लिए जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा था कि इस साल के अंत तक

# सेबी ने निवेशकों से 30 सितंबर तक पैन को आधार से लिंक करने को कहा, नहीं करने पर फंस सकता है पैसा

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने निवेशकों से 30 सितंबर तक अपने पैन को आधार से लिंक करने को कहा है। सेबी ने निवेशकों से कहा है कि सिक्योरिटी मार्केट में उनके निवेश की प्रोसेसिंग में कोई दिक्कत न हो इसके लिए ये काम जल्द से जल्द निपटा लें।

### लिंक न करने पर पैन नंबर हो जाएगा इनऑपरेटिवः

सेबी ने एक प्रेस रिलीज में सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स द्वारा 13 फरवरी को जारी अधिसूचना का हवाला दिया है, जिसमें कहा

गया है कि अगर 30 सितंबर तक पैन और आधार को लिंक नहीं किया गया तो पैन काम करना बंद कर देगा। अगर पैन नहीं होगा तो कोई भी ट्रांजैक्शन नहीं हो पाएगा। सेबी ने सभी कंपनियों को यह पक्का करने को कहा है कि निवेशकों के पैन कार्ड आधार नंबर 30 सितंबर 2021 से पहले लिंक कर लिए जाएं।

### पैन हो जाएगा निष्क्रिय

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने कहा था कि अगर कोई पैन कार्ड होल्डर्स पैन को आधार से लिंक नहीं कराता है तो, उनके पैन को इनऑपरेटिव घोषित कर दिया जाएगा। इसके बाद वित्तीय लेनदेन में पैन का इस्तेमाल नहीं हो पाएगा।

### एक मैसेज से कर सकते हैं आधार-पैन लिंक

इसके लिए आपको अपने फोन में UIDPAN टाइप करना है। इसके बाद स्पेस देकर अपना आधार नंबर और उसके बाद स्पेस देकर पैन नंबर दर्ज करना है।

**उदाहरण के लिएः** UIDPAN 0000011112222 AAAPA7777 Q टाइप करके 567678 या 56161 पर भेजना है। इसके बाद आयकर विभाग आपके दोनों नंबर को लिंक करने की प्रोसेस में डाल देगा। ऑनलाइन लिंक कर सकते हैं आधार-पैन

सबसे पहले आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://www.incometa&.gov.in/iec/foportal पर जाएं।

इसमें नीचे की तरफ लिंक आधार का ऑप्शन मिलेगा। इस पर क्लिक करने पर एक नया पेज खुलेगा।

इसमें आपको क्ह्ह नंबर, आधार नंबर और आधार कार्ड में दर्ज नाम डालकर लिंक आधार पर क्लिक करना होगा।

इसके बाद आयकर विभाग आपके दोनों नंबर को लिंक करने की प्रोसेस में डाल देगा।

अगर कोई व्यक्ति अपने पैन को आधार से नहीं जोड़ता है तो इसे ज्यादा ञ्झष्ठस् देना होगा। पैन को आधार से लिंक नहीं कराता है तो, पैन को इनऑपरेटिव घोषित कर दिया जाएगा। आधार-पैन लिंक न होने के कारण आपका बैंक अकाउंट फ्रीज हो सकता है।

## 10 हजार होटल व्यवसायी प्रभावित

# पहाड़ों के पर्यटन पर डबल अटैक, पहले कोरोना फिर भूस्खलन से 3700 करोड़ का कारोबार ठप

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

पहाड़ों पर कुदरत की दोहरी मार ने पर्यटन व्यवसाय की कमर तोड़ दी है। पहले कोरोना का कहर और फिर भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ से अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। देश के दो बड़े पहाड़ी राज्य उत्तराखंड और हिमाचल में 3700 करोड़ का करोबार ठप हो गया है। 10 हजार से ज्यादा होम स्टे संचालक और होटल व्यवसायी प्रभावित हुए हैं। कई व्यवसायी कर्ज में डूब गए हैं। कई होटल बिकने की कगार पर हैं। दोनों राज्यों में पर्यटन व्यवसाय से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े लगभग 12.5 लाख लोगों की आमदनी का जरिया लगभग ठप हो गया है। उत्तराखंड में भूस्खलन की वजह से अब भी 298 सड़कें बंद हैं। चारधाम यात्रा के सभी रास्ते भूस्खलन के चलते बंद हुए हैं। बारिश को देखते हुए दोनों राज्यों में बड़े पैमाने पर पर्यटकों ने ऑनलाइन बुकिंग कैंसिल कर दी है। कुल मिलाकर इस बार पर्यटन कारोबार पूरी तरह चौपट हो गए हैं।

**हिमाचलः हर साल 1.65 करोड़ सैलानी आते थे, 2021 में 20 लाख से कमः**- पर्यटन विभाग

**अधिक मार होम स्टे संचालकों पर, कर्ज लेकर बनाए आशियाने सूने पड़े**

के निदेशक अमित कश्यप कहते हैं कि पहले प्रतिवर्ष 1.65 करोड़ सैलानी आते थे। कोरोना के बाद 2020 में 32 लाख, 2021 में 20 लाख से भी कम सैलानी आए। भूस्खलन ने आंकड़ा और गिरा दिया। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त निदेशक अनुपम शर्मा ने बताया कि 1700 करोड़ रु. कारोबार प्रतिवर्ष होता है। जोकि दो सालों में 90 फीसदी डाउन हो गया है। यहां 3350 होटल, 1656 होम स्टे और 222 एडवेंचर साइट हैं। व्यवसाय से जुड़े 4.5 लाख लोग आर्थिक संकट में हैं।

**उत्तराखंड :92 फीसदी कमाई चौपट, आठ लाख लोग हुए प्रभावित**

कोरोना से पहले 2019 में पर्यटन से उत्तराखंड में लगभग 2 हजार करोड़ रु. का कारोबार हुआ था। 60 फीसदी कमाई चार धाम यात्रा से होती है, जो शुरू नहीं हो पाई। व्यवसाय से जुड़े 8 लाख लोग आर्थिक संकट में हैं। होटल संघ के अध्यक्ष संदीप सैनी बताते हैं कि करीब 1500 होटल और 4657 होम स्टे हैं कोरोना से पहले प्रतिवर्ष 6 करोड़ पर्यटक आते थे। 3.5 करोड़ धार्मिक होते हैं। ये बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, हेमकुंड साहिब आते हैं। इस बार 92 फीसदी कमाई प्रभावित हुई है।

उत्तराखंड में 4657 होम स्टे और हिमाचल में 1656 होम स्टे संचालित हो रहे हैं। ज्यादातर लोगों ने लोन लेकर अपने प्रतिष्ठान खड़े किए हैं। ऐसे लोगों को 2 साल से किश्तें देना भारी पड़ रहा है। कई व्यवसायी अपनी जेब से कर्मचारियों का वेतन, बिजली, पानी के खर्चे उठा रहे हैं। हालात ये हो गए हैं कि लोग अब इस व्यवसाय को बेचने में लगे हैं। धर्मशाला, मैक्लोडगंज में लगभग 70-80 होटल बिकने को तैयार हैं। यही हालात कुल्लू में भी है। भूस्खलन के बाद ऑनलाइन बुकिंग भी रद्द कर दी गई हैं।

**सरकार से कारोबारियों की उम्मीदेंः**-उत्तराखंड, हिमाचल होटल एसोसिएशन की मांग है कि बिजली बिल, हाउस टैक्स माफ किए जाएं। जीएसटी में भी छूट मिले। इसके अलावा लोन की किश्तों में भी रियायत दी जाए। सरकार मांगें मान ले तो व्यवसायियों को काफी राहत मिल जाएगी। उत्तराखंड सरकार ने पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए 200 करोड़ रु. राहत की घोषणा की है।

## बढ़ते टीकाकरण का पॉजिटिव असर

# अगस्त में सर्विसेज सेक्टर की ग्रोथ साढ़े तीन साल में सबसे ज्यादा

IHS मार्किट का पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स अगस्त में 56.7 रहा जो जुलाई में 45.4 था

50 से ज्यादा PMI बिजनेस एक्टिविटी बढ़ने का संकेत, नीचे रहने का मतलब गिरावट

### पिछले महीने जारी रही छंटनी लेकिन रफ्तार में आई कमी

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

कोविड पर रोकथाम के लिए बढ़ते टीकाकरण ने अगस्त में सर्विसेज सेक्टर पर पूरा असर दिखाया। GDP में लगभग 55 फीसदी का योगदान करने वाले इस सेक्टर की ग्रोथ डेढ़ साल में सबसे ज्यादा रही। ढ्ढ।स् मार्किट का पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स अगस्त में 56.7 पर पहुंच गया जो जुलाई में 45.4 था। PMI का 50 से ऊपर रहना बताता है कि बिजनेस एक्टिविटी बढ़ी है, जबकि इंडेक्स का उससे नीचे रहने का मतलब एक्टिविटी में कमी आना होता है। IHS मार्किट के पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स सर्वे के मुताबिक, अगस्त में सर्विस सेक्टर ने चार महीने के बाद ग्रोथ का मुंह देखा है। यह बाजारों के दोबारा खुलने पर बड़ी संख्या में लोगों के घरों से निकलने के अलावा कंपनियों के कामयाब ऐड कैंपेन की वजह से हुआ है। हालांकि, इस सेक्टर की कंपनियों ने पिछले महीने भी छंटनी जारी रखी, लेकिन उसकी रफ्तार घटी।

सर्वे में शामिल कंपनियों ने बताया कि उनके पास बढ़ते ऑर्डर पूरा करने के लिए पर्याप्त लोग हैं। अगर ग्रोथ का यह ट्रेंड सितंबर में भी जारी रहा तो इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सर्विसेज सेक्टर की ग्रोथ को काफी बढ़ावा मिलेगा। पहली तिमाही में सर्विसेज सेक्टर की ग्रोथ 11.4% रही थी, जबकि लो बेस इफेक्ट के चलते इस दौरान GDP ग्रोथ 21.5 फीसदी रही।

## NMP के लिए प्रधान आर्थिक सलाहकार की दलील

# सरकार के पास बहुत संपत्ति है, थोड़ा मोनेटाइज करके इकोनॉमी में लगा दे तो उसमें गलत क्या है

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

नेशनल मोनेटाइजेशन पाइपलाइन को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना पर प्रधान आर्थिक सलाहकार संजीव सान्याल ने कहा कि सरकार के पास बहुत संपत्ति है। अगर वह उनको मोनेटाइज करती है और कुछ पैसे जुटाकर उसका निवेश नए इंफ्रास्ट्रक्चर में करती है, या उससे आर्थिक या सामाजिक रूप से कमजोर तबके को सपोर्ट देती है, तो उसमें गलत क्या है।

आर्थिक संसाधनों के समुचित उपयोग के खिलाफ बस राजनीतिक दलीलें दी जा सकती हैं: सरकार

चिदंबरम ने कहा- 70 साल में बनाई संपत्तियों को 20,000 करोड़ एक्स्ट्रा के लिए बेचना दिनदहाड़े लूट

कोविड की तीसरी लहर नहीं चली, तो दिसंबर क्वॉर्टर में प्री-कोविड लेवल पर आ जाएगी इकोनॉमी

**संसाधनों के समुचित उपयोग के खिलाफ नहीं है कोई सार्थक आर्थिक तर्कः**- विपक्षी दलों, खास तौर पर कांग्रेस की तरफ से हो रही नेशनल मोनेटाइजेशन पाइपलाइन की आलोचना को लेकर सान्याल ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि कोई भी व्यक्ति संसाधनों के समुचित उपयोग के खिलाफ सार्थक आर्थिक तर्क दे सकता है। उन्होंने कहा- हां, यह बात जरूर है कि इसको लेकर राजनीतिक दलीलें दी जाती रह सकती हैं। सरकार ने जब से 6 लाख करोड़ रुपए की NMP योजना का ऐलान किया है, तब से उसे विपक्षी दलों की कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है। हालांकि, वह राजनीतिक और प्रशासनिक, हर स्तर पर उनके आरोपों का जवाब दे रही है। सरकार ह्स्क्क के तहत कोर सेक्टर की संपत्तियों को लीज पर देकर इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश करने के लिए पैसे जुटाना चाहती है। यूपीए सरकार में वित्त मंत्री रहे पी चिदंबरम ने नेशनल मोनेटाइजेशन पाइपलाइन को लेकर आज मोदी सरकार पर हमला बोला था। उन्होंने कहा, %सरकार को अपनी संपत्तियों से अभी आमदनी हो रही है। फाइनेंस मिनिस्टर कहती हैं कि मुझे डेढ़ लाख करोड़ रुपए मिलेंगे।

# आरआईएल ने स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज के शेयर खरीदे

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस स्ट्रैटेजिक बिजनेस वेंचर्स ने 393 करोड़ रुपये के एक सौदे के तहत स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज के 2.28 करोड़ शेयरों के अधिग्रहण की घोषणा की है। मार्च 2023 तक 160 करोड़ रुपये तक का निवेश पूरा होने की उम्मीद है। कुल निवेश पूर्ण चुकता आधार पर स्ट्रैंड में 80.3 प्रतिशत शेयर पूंजी में तब्दील हो जाएगा। भारत में 6 अक्टूबर 2000 को स्थापित स्ट्रैंड स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को बायो इन्फॉर्मेटिक्स सॉफ्टवेयर और क्लीनिकल अनुसंधान समाधान प्रदान करती है जिसमें क्लीनिक, अस्पताल, चिकित्सा उपकरणों के विनिर्माता और दवा कंपनियां शामिल हैं। वह भारत में जीनोमिक परीक्षण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है। स्ट्रैंड का कुल कारोबार वित्त वर्ष 2021 में 88.70 करोड़ रुपये था जबकि वित्त वर्ष 2020 में यह आंकड़ा 109.84 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2019 में 96.60 करोड़ रुपये था। इसी प्रकार वित्त वर्ष 2021 में उसे 8.48 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था जबकि वित्त वर्ष 2020 में 25.04 करोड़ रुपये का लाभ और वित्त वर्ष 2019 में 21.66 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। आरआईएल ने आज जारी एक बयान में कहा कि यह निवेश समह की डिजिटल स्वास्थ्य क्षेत्र में की जा रही पहल का हिस्सा है ताकि भारत के स्वास्थ्य सेवा परिवेश में विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी एवं नवाचार तक सस्ती पहुंच सुनिश्चित हो सके। आरआईएल का शेयर आज बीएसई पर 4.12 फीसदी बढ़त के साथ 2,388.25 रुपये पर बंद हुआ।

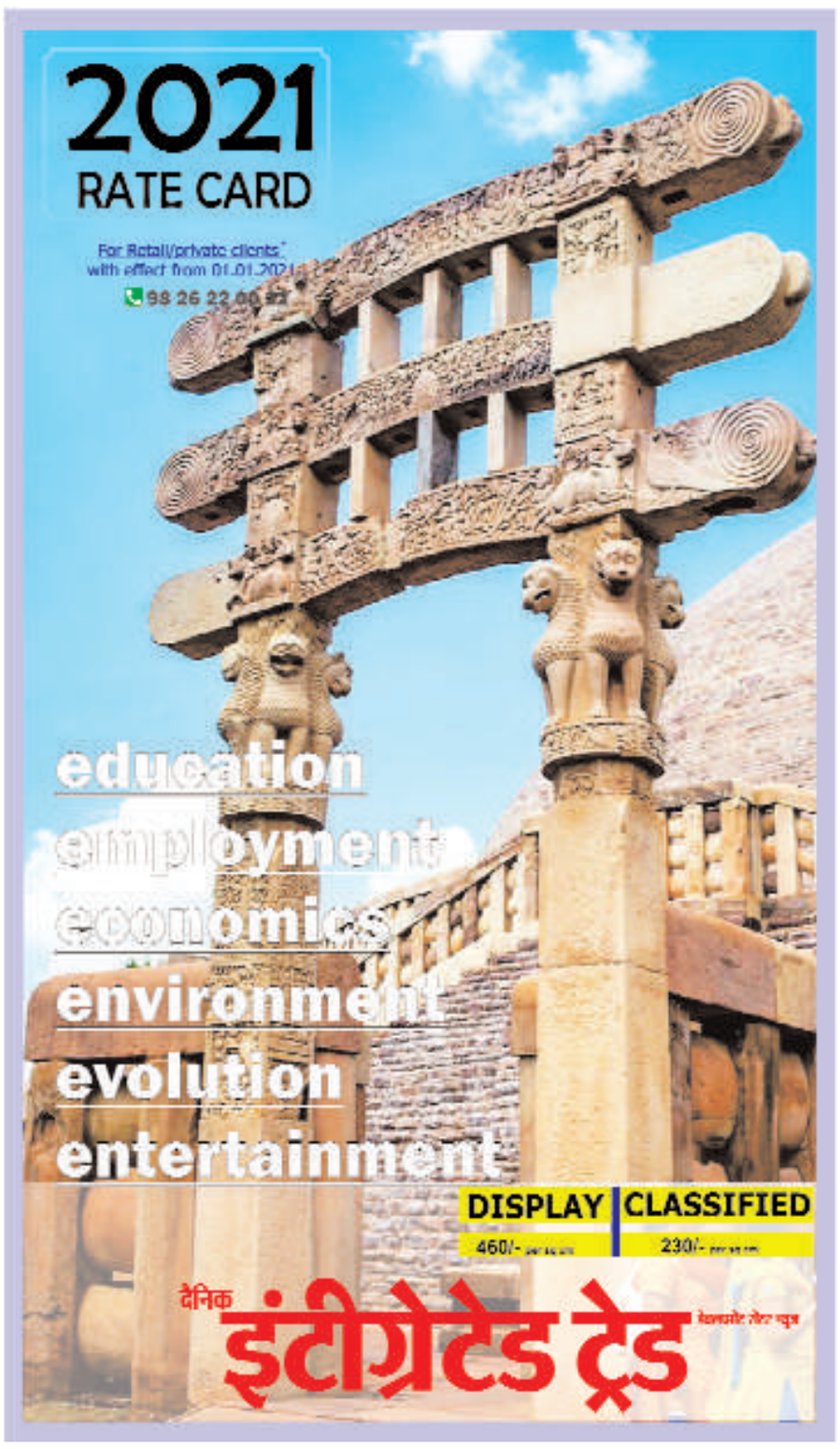

# जियो की डेटा क्रांति से उभरी डिजिटल अर्थव्यवस्था

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

वर्ष 2015 में फेसबुक की फ्री बेसिक्स (सीमित निःशुल्क इंटरनेट) की अवधारणा को नेट निरपेक्षता के खिलाफ बताकर उसका कड़ा विरोध हुआ और मार्क जुकरबर्ग को उसे वापस लेना पड़ा लेकिन वह आपदा में अवसर साबित हुआ। फ्री बेसिक्स के पीछे विचार था भारतीय बाजार का विस्तार करना और एक अरब लोगों को इंटरनेट से जोडना। उस नाकामी के बावजूद फेसबुक की वृद्धि अप्रत्याशित गति से जारी है। भारत में उसके उपयोगकर्ता 2016 के 20.5 करोड़ से बढ़कर अब 42.5 करोड़ हो चुके हैं। इसी अवधि में व्हाट्सऐप भी करोड़ों भारतीयों के लिए संदेश का माध्यम बना। इसी अवधि में इसका इस्तेमाल करने वाले 19 करोड़ से बढ़कर 39 करोड़ हो गए। परंतु इनकी सफलता में रिलायंस जियो की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही जिसने पांच वर्ष पहले अत्यंत कम दरों पर 4जी सेवा की शुरुआत की थी। उसकी दरें प्रतिस्पर्धियों से 95 फीसदी कम थीं। वॉइस कॉल और ओटीटी प्लेटफॉर्म भी निःशुल्क थे। बाकी सेवाप्रदाताओं के पास उसका अनुसरण करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। जियो की डेटा क्रांति ने पांच वर्ष बाद देश के कारोबारी और उपभोक्ताओं के हितों को बदल दिया है। फेसबुक इंडिया के प्रबंध निदेशक अजित मोहन कहते हैं, %इसमें दो राय नहीं कि जियो ने मोबाइल ब्रॉडबैंड बाजार में जो हलचल मचाई उसने देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को निर्णायक रूप से बदला और हॉटस्टार से लेकर फेसबुक तक कई सेवाओं को गति प्रदान की। जियो के डेटा सस्ता करने से जो तेजी आई हम उसकी ताकत को समझना शुरू ही कर रहे हैं। इस क्रांति ने ऑनलाइन स्टार्टअप कंपनियों को बल दिया और उपभोक्ताओं की खरीदारी, सिनेमा देखने, बीमा या खान खरीदने, छुट्टियां बुक करने या डॉक्टर से सलाह लेने के तरीके को बदल दिया।

# इतिहास के मुकम्मल अंत की ओर

- राजेंद्र शर्मा

जलियांवाला बाग के इस नवीनीकरण में, जिसे अनेक आलोचकों ने उचित ही सुंदरीकरण कहना ही बेहतर समझा है, मुख्य जोर इस स्मारक के मूल स्वरूप को ज्यादा से ज्यादा संरक्षित रखने तथा उसके संरक्षण के लिए नितांत अपरिहार्य बदलाव ही करने के बजाय, उसे दर्शकों के लिए ज्यादा से ज्यादा आकर्षक तथा सुविधाजनक बनाने पर ही रहा लगता है। संक्षेप में कहें तो यह नवीनीकरण वास्तव में, एक पर्यटन स्थल के रूप में जलियांवाला बाग के विकास को संबोधित था। अचरज की बात नहीं है कि अमृतसर के ऐतिहासिक जलियांवाला बाग के नरेंद्र मोदी की सरकार के हाथों से हुए कथित नवीनीकरण या सुंदरीकरण ने, उसी तरह से तीखा विवाद पैदा किया है, जैसे इसी सरकार की नई संसद समेत, सेंट्रल विस्टा के नव-निर्माण की योजना कर रही है। फिर भी हम यहां खुद को इस प्रकार के नव-निर्माण की प्रकृति के सिलसिले में, विशेष रूप से जलियांवाला के संदर्भ में उठे सवालों तक ही सीमित रखना चाहेंगे। नई संसद व सेंट्रल विस्टा के विपरीत, चूंकि जलियांवाला बाग का प्रसंग नये निर्माण का नहीं बल्कि एक ऐतिहासिक स्मारक के नवीकरण/ संरक्षण का है, इसलिए यह सवाल विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाता है कि क्या इस नवीकरण में, इस स्मारक का ऐतिहासिक रूप संरक्षित रहा है? अगर नहीं, तो यह निश्चित रूप से इस ऐतिहासिक धरोहर के साथ और इसलिए उससे जुड़े इतिहास के साथ ही हिंसा है। जलियांवाला बाग के इस नवीनीकरण में, जिसे अनेक आलोचकों ने उचित ही सुंदरीकरण कहना ही बेहतर समझा है, मुख्य जोर इस स्मारक के मूल स्वरूप को ज्यादा से ज्यादा संरक्षित रखने तथा उसके संरक्षण के लिए नितांत अपरिहार्य बदलाव ही करने के बजाय, उसे दर्शकों के लिए ज्यादा से ज्यादा आकर्षक तथा सुविधाजनक बनाने पर ही रहा लगता है। संक्षेप में कहें तो यह नवीनीकरण वास्तव में, एक पर्यटन स्थल के रूप में जलियांवाला बाग के विकास को संबोधित था, जैसे पर्यटक स्थल विकास का मॉडल गुजरात में साबरमती रिवर फ्रंट के मुख्यमंत्री मोदी के समय में हुए विकास से निकला था। अब तक आई जानकारियों के अनुसार, कथित नवीकरण में किए गए तीन बड़े बदलाव, इसी तरह के पर्यटन विकास मॉडल का संकेत देते हैं।

इनमें पहला और शायद जलियांवाला बाग के इतिहास की स्मृति के साथ सबसे ज्यादा हिंसा करने वाला बदलाव तो, उस तंग से किंतु अपेक्षाकृत लंबे गलियारे का आडंबरपूर्ण तरीके से चमक-दमक भरा पुनर्निर्माण है, जो गलियारा हर तरफ से घरों की दीवारों से घिरे इस उजड़े हुए पुराने छोटे से बाग तक पहुंचने का और उसमें से निकलने का भी, एकमात्र रास्ता था। आने-जाने के इस इकलौते गलियारे को बंद कर के, ब्रिटिश सेना ने एक विरोध सभा के लिए जमा हुए निहत्थे लोगों पर गोलियां बरसाकर, भारत में अपने राज के सबसे क्रूर तथा सबसे बड़े नरसंहारों में से एक को अंजाम दिया था। इस गलियारे को, जो उस इतिहास की स्मृति के प्रवेश द्वार के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए था, ऐसा रूप दे दिया गया है जो उस गलियारे से गुजरकर ब्रिटिश फौज द्वारा बरपा की गई विभीषिका की याद को बढ़ाने के बजाय, उसकी ओर से ध्यान बंटाने का ही काम कर सकता है।

इसी तरह का दूसरा बदलाव, इस बाग में रहे एकमात्र कुंए के साथ किया गया है, हताशा में जिसमें कूद कर पचासों लोगों ने जान बचाने की उम्मीद में अपनी जान गंवाई थी क्योंकि उजाड़ बाग के इस खुले मैदान में, ऐसा कुछ था ही नहीं जिसकी ओट में कोई गोलियों की बौछार से खुद को बचाने की कोशिश करता। निर्दोष नागरिकों की हताशा और विदेशी शासन की क्रूरता के इस स्मारक को, अन्य बदलावों के अलावा कमल के फूलों से सजा दिया गया है। और ऐसा ही तीसरा बदलाव यह किया गया है कि चूंकि मरने वालों और घायल होने वालों के शरीर में लगी गोलियों के अलावा बाकी गोलियां इस बाग की तीन ओर की दीवारों से जाकर टकराई थीं, इन दीवारों पर पचासों जगह पर इन गोलियों के निशान थे। ये निशान अपनी विशाल संख्या से भी इसकी याद दिलाते थे कि जलियांवाला बाग में ब्रिटिश सेना ने निहत्थे नागरिकों पर कैसी भयानक गोलीबारी की थी। लेकिन, इन दीवारों को संरक्षित करने के जरूरी काम के नाम पर, प्रतीकात्मक रूप से कुछ निशानों को छोड़कर, इनमें से ज्यादातर निशानों को मिटा दिया गया है। और इस सब के ऊपर से है एक %लाइट एंड साउंड शो% का इस ऐतिहासिक स्थल के साथ जोड़ा जाना, जो सीधे-सीधे इस इतिहास के साथ कितना सही सलूक करेगा, उसके संबंध में भी मौजूदा निजाम में ज्यादा आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता है, फिर भी वह सबसे बड़ा काम यह करेगा कि साधारण नागरिकों की शहादत और खून से पवित्र हुए इस स्थल की गरिमा और गंभीरता को घटाकर, इसे एक शोर-शराबे भरे पर्यटन स्थल में बदले जाने को मुकम्मल कर देगा। कोई कह सकता है कि इसमें भी क्या बुराई है, अगर इस सब से आकर्षित होकर पर्यटक बनकर ही सही, ज्यादा लोग इसे देखने आएंगे? बेशक, जितने ज्यादा लोग जलियांवाला बाग देखने जाएंगे, उतना ही अच्छा होगा।

संपादकीय

# इन्हें गीत-संगीत रास नहीं आता

- पुष्परंजन

1970 के दशक को अफगान म्यूज़िक इंडस्ट्री का स्वर्णकाल मानते हैं। वह वो कालखंड था, जब पाकिस्तानी, भारतीय, ईरानी, ताज़िक और अरब देशों की फ़ि ल्में व संगीत का प्रवेश इस देश में हुआ था। उस दौर में दारी, पर्शियन, हिंदी, पश्तो और पर्शियन में गाने वाले अहमद ज़हीर के जलवे थे। उससे पहले फवाद अंदराबी का नाम मैंने नहीं सुना था। वो अंदराबी घाटी के मशहूर लोक गायक थे। अंदराबी, काबुल से सौ किलोमीटर उत्तर पंजशीर घाटी के बगल वाला इलाक़ा है। फवाद अंदराबी, सारंगी जैसा वाद्ययंत्र घेचक खुद बजाते, और गाते थे। यू-ट्यूब पर उनके वीडियो क्लिप देखने के बाद समझना मुश्किल है कि एक लोकगायक का सियासत से क्या लेना-देना हो सकता है? ये सचमुच सिरफिरे लोगों की जमात है, जो सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। तालिबान, अंदराबी घाटी स्थित उनके गांव आये, फवाद अंदराबी के साथ चाय पी, उनके सिर में गोली मारी और चलते बने। 30 अगस्त, 2021 को तालिबान प्रवक्ता ज़बीहुल्ला मुजाहिद बोले, इसकी जांच कराएंगे, और दोषियों को सज़ा देंगे। इस देश ने एक लोकगायक खो दिया। कराते रहो जांच। मकसद, संगीत व अदबी दुनिया में खौफ़ पैदा करना था, वो पूरा हो चुका। जिन्हें मैं जानता था, वह हैं काबुल से जर्मनी बस गये गजल गायक अहमद वली। उनसे शनासाई बर्लिन में एक कार्यक्रम के दौरान हुई।

अहमद वली की मशहूर गजल ख़ाके क़ाबुल मेरे दिलो-दिमाग़ पर घुन समेत प्रिंट हो चुका था, जो दो दशक बाद भी धुला नहीं। 2001 में उनकी दी हुई कुछ सीडी अब भी मेरे पास है। दारी-पश्तो के एक और मशहूर गजल गायक उस्ताद नशेनस का गाया, %बिया शब है महताब% को मैं भूलता नहीं। कंधहार में जन्मे डॉ.मोहम्मद सादिक़ फितरत, %नशेनस% के नाम से देश-दुनिया में जाने जाते हैं। कुछ दिन भारत में भी रहे और तबले के %वाह उस्ताद% ज़ाकिर हुसैन की सोहबत में %नशेनस% ने कैलिग्राफी भी सीखी थी। यू ट्यूब पर उनके एलबम अब भी सुनता हूं, और नैसर्गिक आनंद में खो जाता हूं। अंदराबी हत्याकांड के बाद लगता नहीं उस्ताद नशेनस, हवस ओ मंज़िल और ज़े खो शराबी जैसी नज़्मों को गा सकेंगे। रबाब के मशहूर फनकार उस्ताद उमर के साथ भी जाकिर हुसैन कई बार संगत कर चुके हैं। उस्ताद उमर 1980 में गुजर चुके। 2001 के बाद से मौसिक़ी की दुनिया में जो कुछ हुआ, क्या तालिबान पार्ट-टू उसे मिटाना चाहेगा? 2004 में अफगानिस्तान में नये राष्ट्रगान को रचने और उसे संगीतबद्ध करने की तैयारी चल रही थी। करजई सरकार ने दो शर्तें आयद कीं। पहली शर्त, राष्ट्रगान पश्तो में लिखा जाना चाहिए, और दूसरी अल्लाहू अकबर जरूर हो। मुश्किल यह थी कि जो गीतकार और संगीतकार देश छोड़ चुके थे, वो वतन लौटना नहीं चाह रहे थे, चुनांचे अमेरिका में बैठे अब्दुल बारी जहानी से 2006 में राष्ट्रगान लिखवाया गया, %दा वतन अफग़ानिस्तान दई%, इन शब्दों को संगीतबद्ध किया जर्मनी के कोलोन शहर में रह रहे मेरे परिचित बबरक वासा ने। बबरक वासा 1978 के दौर में काबुल रेडियो में म्यूज़िक डायरेक्टर रह चुके थे। 1980 में बबरक वासा अफगानिस्तान छोड़ जर्मनी आ चुके थे। बहरहाल, अफगान राष्ट्रगान की रिकार्डिंग संगीत निर्देशक बबरक वासा व मशहूर %विथोवन आर्केस्ट्रा% की देखरेख में 14 अप्रैल 2006 को बॉन स्थित डॉयचेवेले के स्टूडियो में हुई। इस घटना का मैं साक्षी रहा हूं। तालिबान क्या इस कौमी तराना को बदलेंगे? इस सवाल को मैं यहीं छोड़े जा रहा हूं। यों, तालिबान शासन के कुछ वर्षों तक एक क़ौमी तराना था, जिसे 1919 में उस्ताद क़ासिम ने कंपोज किया था। 1996 में तालिबान पार्ट-वन आने से पहले 1992 में लोग सुराद ए मिल्ली (राष्ट्रगान) गाते थे- क़ल्ये इस्लाम, क़ल्ब ए-एशिया। इसे 1999 तक अफगान जनता ने गाया, फि र उस साल अचानक से तालिबान शासन ने उसपर पाबंदी आयद कर दी। तालिबान के जाने के बाद, 2002 में क़ल्ये इस्लाम, क़ल्ब ए-एशिया% दोबारा से आरंभ किया गया और 2006 में नये राष्ट्रगान के आने तक लोग इसे गाते रहे। उससे पहले भी राष्ट्रगान 1926 से 1973 तक तत्कालीन राजशाही की स्तुति के रूप में प्रस्तुत किया जाता रहा। 1973 से 1978 पांच वर्षों तक अस्तित्व में रहे दूसरा क़ौमी तराना बाद के दिनों बदला। 1978 में कम्युनिस्ट नेता व पत्रकार नूर मोहम्मद ताराकी की %पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ अफगानिस्तान% सत्ता में आई, तो क़ौमी तराना एकबार फिर परिवर्तित किया गया। उस जोशीले राष्ट्रगीत को कंपोज किया था जलील गहलां ने, और संगीतबद्ध किया था उस्ताद सलीम सरमद ने। यह राष्ट्रगीत 1978 से 1992 तक अफग़ानों ने गाया। 1992 से 1996 व 2002 से 2006 के क़ौमी तरानों की चर्चा कर यह बताना था कि कई कालखंडों में यह बदलता गया है। तालिबान को राष्ट्रवादी गीतों से कोई गुरेज़ नहीं है। जैसे, उस्ताद अवलमीर द्वारा गाया %दा ज़मोंग ज़ेबा वतन% (पश्तो में जिसका मतलब होता है हमारा खूबसूरत देश) और अब्दुल वहाब मदादी का गाया, %वतन इश्क तू इफ्तेकरम% लोग सड़कों, मज़लिस में गुनगुनायें, तालिबान को कोई आपत्ति नहीं। मगर, हर समय राष्ट्रवाद और दीन की घुट्टी गीत-गजलों में तो नहीं पिलाई जा सकती। इस कारण, अच्छी-ख़ासी संख्या में गीतकार और संगीतकार अपनी कश्ती जला गये, और पीछे मुड़ कर नहीं देखा। आप 95 साल पीछे की तरफ़ झांकें, तो लोग उस ज़माने में अधिक उदार दिखेंगे। उस दौर में संगीत को ज़मीन पर उतारने का माध्यम रेडियो बना। 1925 में अफगानिस्तान में रेडियो प्रसारण शुरू तो हुआ, मगर कुछ फितनागरों ने 1929 में उसे तोड़-ताड़ दिया। कोई 11 साल बाद 1940 में रेडियो क़ाबुल से फिर प्रसारण प्रारंभ होता है।

# भारत इस समय बड़े राजकोषीय घाटे से जूझ रहा है

**पिछले वर्ष वित्त मंत्री ने अनुमान लगाया था कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में वित्तीय घाटा जीडीपी का 3.5 प्रतिशत तक होगा पर वास्तविक घाटा करीब 9.3 फीसदी हुआ। राशि के लिहाज से यह गिरावट 10 लाख करोड़ रुपए थी। इस कमी को नए ऋ ण लेकर पूरा करना पड़ेगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 में बजट घाटा सकल घरेलू उत्पाद (ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट जीडीपी) का 6.8 फीसदी यानी 15 लाख करोड़ रुपए तक होने का अनुमान है। इस घाटे की अधिकतम पूर्ति भी नए कर्ज लेकर पूरा किए जाने की उम्मीद है।**

- डॉ.अजीत रानाडे



एनएमपी सार्वजनिक निजी भागीदारी के लिए एक नया दृष्टिकोण है। इसकी सफलता एनएमपी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयोग में लाए गए शब्दों पर निर्भर है। यह भी ख्याल में रखना होगा कि संभावित निजी एकाधिकार कंपनियों द्वारा सार्वजनिक संपत्तियों पर कब्जा किए जाने का जोखिम वास्तविक है। इस समस्या का हल निकालने की कोशिश करना उतना ही जरूरी है। भारत इस समय बड़े राजकोषीय घाटे से जूझ रहा है। दो बड़े कारणों से यह अपेक्षित था- कोविड-19 के कारण खर्च की बड़ी प्रतिबद्धताएं और कर राजस्व में भारी गिरावट। पिछले वर्ष वित्त मंत्री ने अनुमान लगाया था कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में वित्तीय घाटा जीडीपी का 3.5 प्रतिशत तक होगा पर वास्तविक घाटा करीब 9.3 फीसदी हुआ। राशि के लिहाज से यह गिरावट 10 लाख करोड़ रुपए थी। इस कमी को नए ऋ ण लेकर पूरा करना पड़ेगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 में बजट घाटा सकल घरेलू उत्पाद (ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट जीडीपी) का 6.8 फीसदी यानी 15 लाख करोड़ रुपए तक होने का अनुमान है। इस घाटे की अधिकतम पूर्ति भी नए कर्ज लेकर पूरा किए जाने की उम्मीद है। योजना 12 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लेने की है जो भारत में परिवारों की सभी वित्तीय बचत का तीन चौथाई से अधिक है। पहले से ही ऋ ण में डूबी केंद्र सरकार पर कर्ज का यह नया पहाड़ होगा जो जीडीपी का 60 फीसदी होगा। यह पिछले 14 वर्षों में सबसे ज्यादा है। वित्तीय जिम्मेदारियों से संबंधित एनके सिंह के नेतृत्व वाली विशेषज्ञ समिति ने सिफारिश की थी कि कर्ज का अनुपात जीडीपी का 40 फीसदी होना चाहिए। इसलिए वर्तमान में कर्जदारी का स्तर खतरनाक होने के साथ वहन क्षमता से अधिक भी है। इसके साथ ही यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि आज लिए कर्ज आने वाली अजन्मी पीढ़ी पर कर के अलावा कुछ नहीं है। आज लापरवाही से खर्च किया जाएगा तो जब तक जबर्दस्त आर्थिक वृद्धि नहीं होती है तो कल मन मुताबिक काम करने की वित्तीय स्वतंत्रता भी कम होगी। इस संदर्भ में सरकार को शासकीय जवाबदेहियों, सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारियों से समझौता किए बिना राजस्व जुटाने या खर्च कम करने के बारे में गंभीरता से विचार करना होगा। यह सही है कि आय के प्रवाह के संदर्भ में देखा जाए तो घाटे की स्थिति वाकई चिंताजनक है लेकिन बैलेंस शीट के नजरिये से देखा जाए तो स्थिति काफी अच्छी है। सरकार के पास खर्च के ऐसे अनेक मद होंगे जिनके लिए धन का प्रबंध नहीं होता है पर उसकी बैलेंस शीट में ऐसी कई परिसंपत्तियां होती हैं जिनका मुद्रीकरण किया जा सकता है। बेशक हम ताजमहल या गेटवे ऑफ इंडिया को बेचने की बात नहीं कर रहे हैं लेकिन ऐसे क्षेत्रों में परिसंपत्तियों के विनिवेश के लिए एक संगठित प्रणाली बनाई जा सकती है जहां निजी क्षेत्र बेहतर ढंग से काम कर सरकार की तुलना में उन्हीं परिसंपत्तियों से अधिक राजस्व अर्जित कर सकता है। दूरसंचार या केबल टीवी के क्षेत्रों में हुई क्रांति ने यह दर्शाया है कि निजीकरण किसी क्षेत्र को किन ऊंचाइयों पर ले जा सकता है जो दशकों तक सरकारी एकाधिकार में होने के कारण सुस्त पड़े थे। निजी कुरियर सेवाओं, एयरलाइंस और होटल व्यवसाय के मामलों में भी यही सच निकला है, किन्तु सरकारों के लिए %निजीकरण% एक ऐसा शब्द हो गया है जिसका उच्चारण करना भी कठिन है। इस वर्ष के बजट भाषण में वित्त मंत्री ने इस लक्ष्मण रेखा को पार कर लिया है। क्या यह महत्वाकांक्षा हकीकत बन सकेगी? रिकॉर्ड प्रेरणादायक नहीं है। पिछले 7 वर्षों में निजीकरण या विनिवेश के लक्ष्य पाने में लगातार भारी अंतर हैं। उदाहरण के लिए पिछले वर्ष यह लक्ष्य 2.1 लाख करोड़ का था लेकिन 10 फीसदी का लक्ष्य भी हासिल नहीं किया जा सका है; और यह लक्ष्य इसलिए भी हासिल हो पाया क्योंकि एक सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग (पीएसयू) को दूसरे पीएसयू के शेयर खरीदने को कहा गया है। यह कुछ ऐसा ही है कि बांई जेब दांई जेब को भुगतान कर रही है। यहां यह ध्यान रखने वाली बात है कि यह उस दल की सरकार है जिसने न्यूनतम सरकार और अधिकतम प्रशासन का वादा किया था। एक गंभीर राजकोषीय संकट के आलोक में देखें तो नेशनल मॉनेटाइजेशन पाइपलाइन (एनएमपी) एक महत्वाकांक्षी विचार है। इसका उद्देश्य निजी क्षेत्र को ऑपरेटिंग संपत्तियों को बेचना नहीं बल्कि स्थानांतरित करना है और नीलामी के माध्यम से एकमुश्त रकम हासिल करना है। वित्त मंत्री ने बजट सत्र के दौरान यह विचार प्रकट किया था और उसकी विस्तृत जानकारी 23 अगस्त को जनता को दी गई थी। यह प्रस्ताव बहुत महत्वाकांक्षी है और इसमें बजट भाषण में उल्लेखित ऊर्जा, सड़क और रेल की परिसंपत्तियों से आगे बढ़कर दूरसंचार टॉवर, गैस पाइपलाइन, गोदाम, सौर परियोजनाओं और स्टेडियम सहित 14 क्षेत्रों का जिक्र है। इनमें से कई संपत्तियां सरकार की नहीं बल्कि विभिन्न कारपोरेट संस्थाओं, जैसे नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया या पावर ग्रिड कारपोरेशन की हैं। जुटाए गए संसाधनों की पूरी राशि राजकोषीय घाटा दूर करने के लिए उपयोग में नहीं लाया जाएगी बल्कि उसमें से कुछ हिस्सा संबंधित कारपोरेट निकायों को भी दिया जाएगा। सरकार का अनुमान है कि एनएमपी के जरिए अगले 4 वर्षों में 6 ट्रिलियन रुपये (60 खरब रुपये) की व्यवस्था हो सकेगी जिसमें से 0.88 लाख करोड़ रुपए तो इसी वर्ष जुटाने की योजना है।

# नेशनल मॉनेटाइजेशन पाइपलाइन : सपना या साहसिक कदम?

- डॉ.अजीत रानाडे

एनएमपी सार्वजनिक निजी भागीदारी के लिए एक नया दृष्टिकोण है। इसकी सफलता एनएमपी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयोग में लाए गए शब्दों पर निर्भर है। यह भी ख्याल में रखना होगा कि संभावित निजी एकाधिकार कंपनियों द्वारा सार्वजनिक संपत्तियों पर कब्जा किए जाने का जोखिम वास्तविक है। इस समस्या का हल निकालने की कोशिश करना उतना ही जरूरी है। भारत इस समय बड़े राजकोषीय घाटे से जूझ रहा है। दो बड़े कारणों से यह अपेक्षित था- कोविड-19 के कारण खर्च की बड़ी प्रतिबद्धताएं और कर राजस्व में भारी गिरावट। पिछले वर्ष वित्त मंत्री ने अनुमान लगाया था कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में वित्तीय घाटा जीडीपी का 3.5 प्रतिशत तक होगा पर वास्तविक घाटा करीब 9.3 फीसदी हुआ। राशि के लिहाज से यह गिरावट 10 लाख करोड़ रुपए थी। इस कमी को नए ऋ ण लेकर पूरा करना पड़ेगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 में बजट घाटा सकल घरेलू उत्पाद (ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट जीडीपी) का 6.8 फीसदी यानी 15 लाख करोड़ रुपए तक होने का अनुमान है। इस घाटे की अधिकतम पूर्ति भी नए कर्ज लेकर पूरा किए जाने की उम्मीद है। योजना 12 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लेने की है जो भारत में परिवारों की सभी वित्तीय बचत का तीन चौथाई से अधिक है। पहले से ही ऋ ण में डूबी केंद्र सरकार पर कर्ज का यह नया पहाड़ होगा जो जीडीपी का 60 फीसदी होगा। यह पिछले 14 वर्षों में सबसे ज्यादा है। वित्तीय जिम्मेदारियों से संबंधित एनके सिंह के नेतृत्व वाली विशेषज्ञ समिति ने सिफारिश की थी कि कर्ज का अनुपात जीडीपी का 40 फीसदी होना चाहिए। इसलिए वर्तमान में कर्जदारी का स्तर खतरनाक होने के साथ वहन क्षमता से अधिक भी है। इसके साथ ही यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि आज लिए कर्ज आने वाली अजन्मी पीढ़ी पर कर के अलावा कुछ नहीं है। आज लापरवाही से खर्च किया जाएगा तो जब तक जबर्दस्त आर्थिक वृद्धि नहीं होती है तो कल मन मुताबिक काम करने की वित्तीय स्वतंत्रता भी कम होगी।

इस संदर्भ में सरकार को शासकीय जवाबदेहियों, सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारियों से समझौता किए बिना राजस्व जुटाने या खर्च कम करने के बारे में गंभीरता से विचार करना होगा। यह सही है कि आय के प्रवाह के संदर्भ में देखा जाए तो घाटे की स्थिति वाकई चिंताजनक है लेकिन बैलेंस शीट के नजरिये से देखा जाए तो स्थिति काफी अच्छी है। सरकार के पास खर्च के ऐसे अनेक मद होंगे जिनके लिए धन का प्रबंध नहीं होता है पर उसकी बैलेंस शीट में ऐसी कई परिसंपत्तियां होती हैं जिनका मुद्रीकरण किया जा सकता है। बेशक हम ताजमहल या गेटवे ऑफ इंडिया को बेचने की बात नहीं कर रहे हैं लेकिन ऐसे क्षेत्रों में परिसंपत्तियों के विनिवेश के लिए एक संगठित प्रणाली बनाई जा सकती है जहां निजी क्षेत्र बेहतर ढंग से काम कर सरकार की तुलना में उन्हीं परिसंपत्तियों से अधिक राजस्व अर्जित कर सकता है। दूरसंचार या केबल टीवी के क्षेत्रों में हुई क्रांति ने यह दर्शाया है कि निजीकरण किसी क्षेत्र को किन ऊंचाइयों पर ले जा सकता है जो दशकों तक सरकारी एकाधिकार में होने के कारण सुस्त पड़े थे। निजी कुरियर सेवाओं, एयरलाइंस और होटल व्यवसाय के मामलों में भी यही सच निकला है, किन्तु सरकारों के लिए %निजीकरण% एक ऐसा शब्द हो गया है जिसका उच्चारण करना भी कठिन है। इस वर्ष के बजट भाषण में वित्त मंत्री ने इस लक्ष्मण रेखा को पार कर लिया है। क्या यह महत्वाकांक्षा हकीकत बन सकेगी? रिकॉर्ड प्रेरणादायक नहीं है। पिछले 7 वर्षों में निजीकरण या विनिवेश के लक्ष्य पाने में लगातार भारी अंतर हैं। उदाहरण के लिए पिछले वर्ष यह लक्ष्य 2.1 लाख करोड़ का था लेकिन 10 फीसदी का लक्ष्य भी हासिल नहीं किया जा सका है; और यह लक्ष्य इसलिए भी हासिल हो पाया क्योंकि एक सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग (पीएसयू) को दूसरे पीएसयू के शेयर खरीदने को कहा गया है। यह कुछ ऐसा ही है कि बांई जेब दांई जेब को भुगतान कर रही है। यहां यह ध्यान रखने वाली बात है कि यह उस दल की सरकार है जिसने न्यूनतम सरकार और अधिकतम प्रशासन का वादा किया था। एक गंभीर राजकोषीय संकट के आलोक में देखें तो नेशनल मॉनेटाइजेशन पाइपलाइन (एनएमपी) एक महत्वाकांक्षी विचार है। इसका उद्देश्य निजी क्षेत्र को ऑपरेटिंग संपत्तियों को बेचना नहीं बल्कि स्थानांतरित करना है और नीलामी के माध्यम से एकमुश्त रकम हासिल करना है। वित्त मंत्री ने बजट सत्र के दौरान यह विचार प्रकट किया था और उसकी विस्तृत जानकारी 23 अगस्त को जनता को दी गई थी। यह प्रस्ताव बहुत महत्वाकांक्षी है और इसमें बजट भाषण में उल्लेखित ऊर्जा, सड़क और रेल की परिसंपत्तियों से आगे बढ़कर दूरसंचार टॉवर, गैस पाइपलाइन, गोदाम, सौर परियोजनाओं और स्टेडियम सहित 14 क्षेत्रों का जिक्र है। इनमें से कई संपत्तियां सरकार की नहीं बल्कि विभिन्न कारपोरेट संस्थाओं, जैसे नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया या पावर ग्रिड कारपोरेशन की हैं। जुटाए गए संसाधनों की पूरी राशि राजकोषीय घाटा दूर करने के लिए उपयोग में नहीं लाया जाएगी बल्कि उसमें से कुछ हिस्सा संबंधित कारपोरेट निकायों को भी दिया जाएगा। सरकार का अनुमान है कि एनएमपी के जरिए अगले 4 वर्षों में 6 ट्रिलियन रुपये (60 खरब रुपये) की व्यवस्था हो सकेगी जिसमें से 0.88 लाख करोड़ रुपए तो इसी वर्ष जुटाने की योजना है। निजीकरण के दिए गए रिकॉर्ड को देखते हुए यह आंकड़े बहुत महत्वाकांक्षी और अवास्तविक लगते हैं। इसके अतिरिक्त क्षेत्रवार अलग-अलग तरह के जोखिमों की भी आशंका है। राजमार्गों पर लगा टोल टैक्स इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। टोल टैक्स के निजीकरण का मामला भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (नेशनल हाईवेज़ अथारिटी ऑफ इंडिया- एनएचएआई ) देख रही है। जो भी निजी कंपनी बोली लगाने में सफल होगी उससे अगले 15 से 20 साल तक राजस्व वसूली के कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करने होंगे। बोली का मूल्य स्पष्ट रूप से भविष्य में एकत्र किए जाने वाले सभी टोल का रियायती वर्तमान मूल्य है। यह ध्यान में रखने वाली बात है कि टोल क्या होगा यह टोल ऑपरेटर तय नहीं कर सकता। टोल की राशि सरकार तय करेगी, पर यदि टोल टैक्स समाप्ति के लिए कोई राजनैतिक आंदोलन खड़ा हो जाए तब क्या होगा? नोएडा टोल ब्रिज के मामले में ऐसा हुआ था और अंततः 2016 में इसे टोल फ्री कर दिया गया था या मुंबई-पुणे एक्सप्रेस हाईवे का मामला लें जिसे टोल मुक्त करने के लिए लंबी लड़ाई चली है। वास्तव में यह एक्सप्रेस वे (2004 के बाद का) सबसे पुराना और मॉनेटाईजेशन का सबसे अच्छा उदाहरण है।

# सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें देकर अपने जाने का ग़म दे चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने हमारे लिए हर चीज गवाह बन जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी की सबसे मीठी याद देकर चले गए।
सच तो ये है कि आप हम ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल कठोर होता है वो कभी नहीं रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में पलकें भिगोते मैंने आपको देखा है।
पिता की परिभाषा बदल कठोरता को प्रेम में बदल कर चले गए।
सच तो ये है की आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा बचपन में ये हर मां बाप कहते हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके लिए आज भी इसलिए तड़पते हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का, उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच अनजाने ही ये उम्मीद दे चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।

# अपच से राहत पाने के लिए अजमाएं ये घरेलू उपाय, जल्द मिलेगी राहत

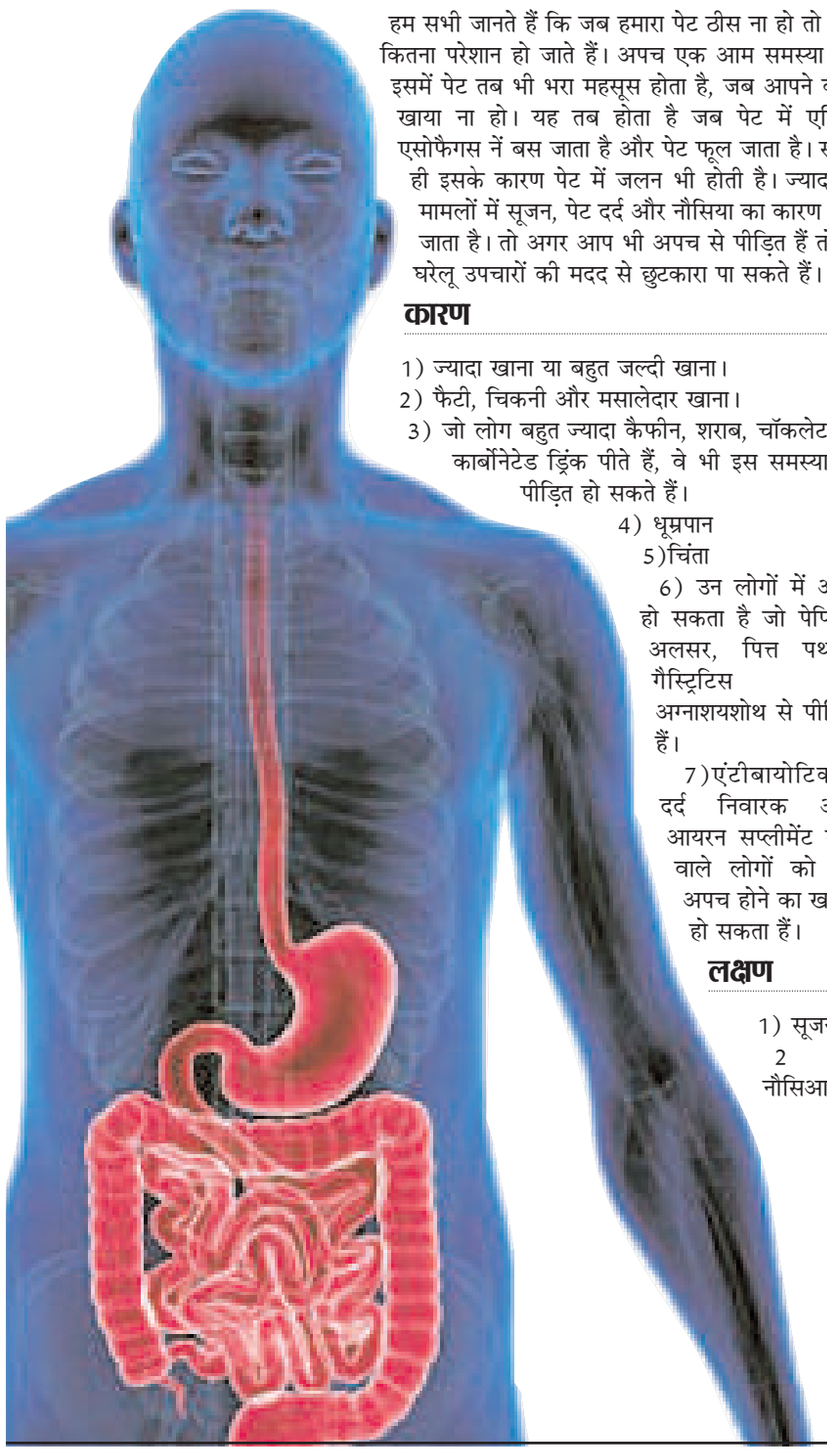

हम सभी जानते हैं कि जब हमारा पेट ठीस ना हो तो हम कितना परेशान हो जाते हैं। अपच एक आम समस्या है। इसमें पेट तब भी भरा महसूस होता है, जब आपने कुछ खाया ना हो। यह तब होता है जब पेट में एसिड एसोफैगस नें बस जाता है और पेट फूल जाता है। साथ ही इसके कारण पेट में जलन भी होती है। ज्यादातर मामलों में सूजन, पेट दर्द और नौसिया का कारण बन जाता है। तो अगर आप भी अपच से पीड़ित हैं तो 5 घरेलू उपचारों की मदद से छुटकारा पा सकते हैं।

## कारण

1) ज्यादा खाना या बहुत जल्दी खाना।
2) फैटी, चिकनी और मसालेदार खाना।
3) जो लोग बहुत ज्यादा कैफीन, शराब, चॉकलेट या कार्बोनेटेड ड्रिंक पीते हैं, वे भी इस समस्या से पीड़ित हो सकते हैं।
4) धूम्रपान
5)चिंता
6) उन लोगों में आम हो सकता है जो पेप्टिक अलसर, पित्त पथरी, गैस्ट्रिटिस या अग्नाशयशोथ से पीड़ित हैं।
7)एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और आयरन सप्लीमेंट लेने वाले लोगों को भी अपच होने का खतरा हो सकता हैं।

## लक्षण

1) सूजन
2 ) नौसिआ
3)डकार
4) पेट में दर्द और जलन

अगर आप किसी भी तरह के लक्षण को महसूस कर रहे हैं, तो अपच से तुरंत राहत पाने के लिए इन प्राकृतिक उपचारों को अजमा सकते हैं।

## 1) नींबू पानी

अपच में 1 गिलास पानी में नींबू निचोड़ें और हर खाने के बाद इसे पीएं। आप इसमें थोड़ी सी चीनी मिला सकते हैं।

## 2) लौंग

लौंग में कई विटामिन खनिज और अमिनो एसिड होते हैं, जो पाचन को बढ़ावा देते हैं। राजमा और काले चने बनाते समय आप इन्हें मिला सकते हैं, जो अक्सर पेट फूलने का कारण बनते हैं। इसे खाने से सांसों की दुर्गंध से भी छुटकारा पाया जा सकता है।

## 3) अदरक

अदरक किसी भी रूप में खाया जा सकता है। इसे आप चाय, सूप सब्जी में डाल सकते हैं। विशेषज्ञों का दावा है कि अदरक अपच, जलन और नौसिआ के साथ ही सूजन को कम करने में मदद कर सकता है। आप इसके लिए या तो गरमा-गर्म अदरक की चाय की चुस्की ले सकते हैं। खाली पेट अदरक शहद का पानी भी पी सकते हैं।

## 4) सौंफ के बीज

सौंफ में फेनचोन और एस्ट्रैगोल होते हैं, जो एक बेहतरीन एसिड न्यूट्रलाइजर के रूप में काम करते हैं और पेट दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं। एक गिलास पानी में कुछ सौंफ डालें और खाने के बाद इसका सेवन करें। आप सौंफ की चाय भी पी सकते हैं।

# काली मिर्च की चाय पीने से वजन कम करने में मिलेगी मदद

**काली मिर्च भारतीय रसोई में हमेशा मिलती है, इसका इस्तेमाल भी अधिक्तर घरों में खूब किया जाता है। इसका इस्तेमाल अलग-अलग सब्जी, करी, काढ़ें में इसके अद्भुत स्वाद और खुशबू के लिए किया जाता है। इसके अलावा, काली मिर्च में कई मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छे होते हैं। काली मिर्च की चाय हर्बल है, जिसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं। आइए, जानते हैं इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में और इसे बनाने के तरीके के बारे में।**

## काली मिर्च की चाय वजन घटाने में कैसे करती है मदद

काली मिर्च वजन कम करने में मदद करती है। इसमें एक मसालेदार स्वाद होता है, जिसके बारे में माना जाता है कि इसमें थर्मोजेनिक प्रभाव होता है, जो भोजन को और मेटाबॉलिज्म को और अधिक करता है। यह तेजी से कैलोरी बर्न करने में मदद करता है। काली मिर्च में पिपेरिन होता है। जो पाचन और शरीर में जमा फैट को कम करता है। काली मिर्च की चाय का सेवन करने से वजन नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

## कैसे बनाएं काली मिर्च की चाय

सामग्री
2 कप पानी
1 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर
1 बड़ा चम्मच शहद
1 छोटा चम्मच नींबू का रस
1 छोटा चम्मच कटा हुआ अदरक
काली मिर्च की चाय बनाने का तरीका

सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकती हैं ये चीजें, हेल्दी इम्यून सिस्टम

एक पैन में पानी डालें और उबाल आने दें। पैन में सभी सामग्री डालकर धीमी आंच पर पकाएं। 3 से 5 मिनट के बाद छान लें। अब इसमें शहद मिलाएं। ज्यादा कड़क बनाने के लिए अधिक समय के लिए पकाएं।

## इम्यूनिटी बूस्ट करती है

काली मिर्च की चाय में पिपेरिन होता है, जो इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के लिए जाना जाता है। साथ ही, काली मिर्च में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में मौजूद रेडिकल्स से लड़ते हैं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को दूर रखते हैं।

## सर्दी खांसी से बचाता है

सर्दी के मौसम में सर्दी खांसी की समस्या आम है। ये चाय मौसमी समस्याओं से बचाती है। अस्थमा से पीड़ित लोगों के लिए फायदेमंद होती है।

## मूड में सुधार

काली मिर्च की चाय पीने से आपके मूड को बूस्ट करने में मदद मिलती है। ये आपके दिमाग को शांत रखती है। हालांकि इसे अधिक मात्रा में नहीं पीना चाहिए।

## ध्यान दें

काली मिर्च की चाय के कई सारे फायदे हैं, लेकिन इसका अधिक सेवन सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। अगर आप काली मिर्च की चाय को अपनी डाइट में शामिल कर रहे हैं तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

# इन पांच बातों के कारण डाउन होता है बच्चों का सेल्फ कॉन्फिडेंस

**बचपन में आप बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वे बातें उनके मन पर छप जाती है। बड़े होने पर उनकी पर्सनैलिटी के लिए बचपन के अनुभव और परवरिश भी जिम्मेदार होती हैं। आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि उनमें प्रतिभा होने के बाद भी आत्मविश्वास की कमी होती है।**

कहते हैं कि पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे को जन्म देकर उसे पालना ही नहीं बल्कि पैरेंटिंग से समाज के लिए एक जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। बच्चों की अच्छी परवरिश अच्छे समाज की नींव भी है। बचपन में आप बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वे बातें उनके मन पर छप जाती है। बड़े होने पर उनकी पर्सनैलिटी के लिए बचपन के अनुभव और परवरिश भी जिम्मेदार होती हैं। आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि उनमें प्रतिभा होने के बाद भी आत्मविश्वास की कमी होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन बचपन में कुछ बातें भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में हर माता-पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए-

## बच्चों का मजाक न उड़ाएं

कोई भी बात कितनी बड़ी है या छोटी, यह नजरिए के साथ उम्र पर भी निर्भर करती है। जैसे, आपके लिए बेड से जम्प करके नीचे कूदना, फुटबॉल पर किक करना छोटी बात हो सकती हैं, लेकिन किसी बच्चे के लिए ये बातें बहुत मैटर करती हैं। आपको कभी भी बच्चे की छोटी से छोटी बातों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

## बच्चों की तुलना करने से बचें

हर बच्चा प्यारा होता है। सभी की अलग आदतें होती हैं लेकिन बचपन में एक आदत कॉमन होती है, वे है दूसरे बच्चों को अच्छा बताने पर बच्चे इसे मन पर ले लेते हैं। ऐसे में सम्भावना रहती है कि बच्चे दूसरे बच्चों से चिढ़ने लगते हैं या खुद को कमतर समझने लगते हैं इसलिए बच्चों की तुलना करने से बचें।

## हर काम में कमी निकालना

बचपन में किसी भी काम को परफेक्टली करने से ज्यादा जरूरी है, बच्चों का कोई न कोई एक्टिविटी करते रहना। ऐसा करने से बच्चे की एनर्जी सही दिशा में लगती है। जैसे, अगर आपका बच्चा पेंटिंग करता है, तो उसकी पेंटिंग में कमियां निकालने की जगह उसकी अच्छी चीजों की तारीफ करें।

## दूसरों के सामने बच्चों की बुराई

कई माता-पिता दूसरे लोगों या आस-पड़ोस में अपने बच्चों की शिकायतें करते रहते हैं। कई बार माता-पिता मजाक की तरह या सिर्फ गपशप करने के इरादे से भी ऐसा करते हैं लेकिन बच्चे के मन में ये बातें घर कर जाती हैं और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है।

## बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर पीटना

बचपन में हुई कोई भी गलती इतनी बड़ी नहीं होती, जिसपर बच्चों को पीटकर ही समझाया जाए। बच्चों को हर छोटी बातों पर मारने से वे खुद को सेफ फील नहीं करते। उन्हें हमेशा लगता है कि वे बहुत बुरे हैं और उनके मम्मी-पापा उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं करते। साथ ही उनके अंदर असुरक्षा की भावना इतनी बढ़ जाती है कि वे डरने लगते हैं।

## सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकती हैं ये चीजें, हेल्दी इम्यून सिस्टम के लिए, इन चीजों को कहें टाटा!

कोरोना के समय में दुनिया अब तक के सबसे घातक वायरस हमलों से जूझ रही है, खुद को संक्रमित होने से बचाने के लिए हर कोई पूरी सावधानी बरत रहा है। यही कारण है कि स्वस्थ्य खाना खाने और इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत रखने की जरूरत इस समय सभी को है। बीमारियों से सुरक्षित रखने में इम्यूनिटी बहुत बड़ा रोल प्ले करती है। हम में से बहुत से लोग इस बात से अनजान हैं कि क्या खाएं और क्या ना खाएं। ऐसे में आज आपको बताने वाले हैं कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में जो आपके इम्यून सिस्टम को कमजोर बनाती है और आपको बीमार होने का खतरा हो सकता है।

## कॉफी

कैफीन के अधिक सेवन से कोर्टिसोल का स्तर बढ़ जाता है, जो इम्यून सिस्टम पर गलत तरीके से असर करता है। कैफीन के नियमित सेवन से टी कोशिकाओं की संख्या कम हो जाती है, जो शरीर की संक्रमित कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए जिम्मेदार ।

## नमक

यूनिलर्सिटी हॉस्पिटल ऑफ बॉन के अध्ययन के मुताबिक नमक खाने से इम्यूनिटी की कमी हो सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि जब किडनी में अतिरिक्त सोडियम होता है, तो एक डोमिनो प्रभाव होता है, जो हमारे शरीर को बीमारियों से बचाने की शरीर की क्षमता को कम कर देता है। इसलिए, अमेरिकियों को लिए डाइट गाइडलाइन के मुताबिक प्रति दिन 2,300 एमजी से कम नमक खाना चाहिए।

## कोल्ड ड्रिंक

गर्मियों में कोल्ड ड्रिंक काफी मजेदार लगती है। लेकिन ये सेहत के लिए उतनी ही खराब होती है। बहुत ज्यादा मात्रा में अगर आप इसका सेवन करते हैं तो अब समय है कि आप इनका सेवन कम कर दें। ये ड्रिंक्स एस्पार्टेम, सैकरीन और सुक्रालोज जैसे मिठास से भरे हुए हैं, जो इम्यूनिटी के लिए हानिकारक होते हैं।

## शक्कर

लंबे समय तक खूब शक्कर का सेवन हेल्थ पर भारी पड़ सकता है। कई अध्ययन के मुताबिक शक्कर का अधिक सेवन से सूजन हो सकती है और धीरे धीरे ये व्हाइट ब्लड सेल्स को कमजोर कर सकता है। ये हमारे शरीर के लिए विटामिन सी को अवशोषित बना देता है, जो एंड में हमारी हड्डियों और इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है।

## स्ट्रॉबेरी

बहुत ज्यादा स्ट्रॉबेरी खाने से आपकी इम्यूनिटी का स्तर काफी कम हो जाता है। स्ट्रॉबेरी हिस्टामाइन नामक एक घटक को छोड़ती है, जिससे कंजेशन और साइनस की समस्या होती है ।

# 30 साल से हिंसक घटनाओं में शामिल हथियारबंद समूह मुख्यधारा में लौटें

### असम में 1 हजार विद्रोहियों ने हथियार डाले

बैठक में मौजूद अमित शाह, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल।

## » अमित शाह की मौजूदगी में समझौता

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

असम सरकार ने 6 विद्रोही संगठनों के साथ शनिवार को कार्बी आंगलोंग समझौते पर हस्ताक्षर किया। ये हथियारबंद समूह 30 साल से हिंसक घटनाओं में शामिल रहा है। अब मुख्यधारा में लौटे गए हैं। इस ऐतिहासिक समझौते के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल मौजूद थे। कार्बी असम का एक प्रमुख जातीय समुदाय है जो कई साल से कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद की मांग करता आ रहा है। इस विद्रोही समूह का असम में हिंसा का एक लंबा इतिहास है। यह समूह 1980 के दशक से जातीय हिंसा, हत्याओं, अपहरण, और लोगों से टैक्स वसूलने के लिए जाना जाता है।

## 6 गुटों ने गृह मंत्री की मौजूदगी में किया समझौता

कार्बी समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले सशस्त्र समूहों में कार्बी लोंगरी नॉर्थ कछार हिल्स लिबरेशन फ्रंट , पीपुल्स डेमोक्रेटिक काउंसिल ऑफ कार्बी लोंगरी, यूनाइटेड पीपुल्स लिबरेशन आमी , कार्बी पीपुल्स लिबरेशन टाइगर्स , कार्बी पीपुल्स लिबरेशन टाइगर्स और कार्बी पीपुल्स लिबरेशन टाइगर्स (रू) शामिल हैं।

## कार्बी रीजन के विकास के लिए 1000 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार

गृह मंत्री ने इस समझौते को ऐतिहासिक बताया है। शाह ने कहा- असम के इतिहास में आज का दिन सुनहरे शब्दों में लिखा जाएगा। आज 5 से ज्यादा संगठनों के लगभग 1000 कार्यकर्ता हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। केंद्र और असम सरकारें उनके पुनर्वास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि असम सरकार अगले 5 साल में कार्बी रीजन के विकास के लिए लगभग 1000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। नरेंद्र मोदी सरकार की पॉलिसी है कि हम अपने कार्यकाल के दौरान ही समझौते में किए गए सभी वादों को पूरा करते हैं। गृह सचिव एके भल्ला ने कहा कि हमें उम्मीद है कि इससे कार्बी आंगलोंग रीजन के विकास में और मदद मिलेगी।

## बंगाल में भाजपा को एक और झटका, 5 दिन में तीसरे विधायक ने टीएमसी जॉइन की

**बंगाल।** पश्चिम बंगाल की कालियागंज सीट से BJP विधायक सौमेन रॉय शनिवार को TMC में शामिल हुए। कोलकाता में राज्य मंत्री और पार्टी नेता पार्थ चटर्जी की मौजूदगी में उन्हें TMC की सदस्यता दिलाई गई। रॉय पांच दिनों में पाला बदलने वाले तीसरे भाजपा विधायक हैं। 30 अगस्त को तन्मय घोष TMC में शामिल हुए। वह हाल ही में हुए चुनावों में भाजपा के टिकट पर बांकुरा जिले की बिष्णुपुर सीट से जीते थे। इसके एक दिन बाद उत्तर 24 परगना के बगदा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के विधायक बिस्वजीत दास ने ञ्स्ष्ट का दामन थाम लिया।

### पालघर में फैक्ट्री में बड़ा धमाका

# तारापुर MIDC में एक कपड़ा फैक्ट्री में बॉयलर फटा, एक मजदूर की मौत और चार घायल



**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

पालघर के तारापुर MIDC में स्थित एक कपड़ा बनाने वाली फैक्ट्री, जखरिया लिमिटेड कंपनी में बॉयलर फटने से एक मजदूर की मौत हो गई और चार घायल हुए हैं। धमाके के बाद लगी आग पर काबू पाने के लिए दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं हुईं हैं। घायलों में 2 की हालत गंभीर बनी हुई है, इसलिए मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है। प्लॉट जे-1 में स्थित इस कंपनी में यह आग सुबह 6 बजे के आसपास लगी और तकरीबन ढाई घंटे के प्रयास के बाद इसपर काबू पा लिया गया। फिलहाल कूलिंग का काम जारी है। धमाका इतना भीषण था कि इसकी आवाज तकरीबन 4 से 5 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। घटना की सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड मौके पर पहुंची और राहत कार्य शरू किया।

### फैक्ट्री में फंसे लोगों को सही-सलामत रेस्क्यू किया गया

सुबह का समय होने के कारण फैक्ट्री में ज्यादा लोग नहीं थे, इसलिए बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल फैक्ट्री में फंसे सभी लोगों को सही-सलामत रेस्क्यू कर लिया गया है। घायल मजदूरों का बोईसर के स्टार अस्पताल में इलाज चल रहा है।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने हैदराबाद में श्री अरबिंदो इंटरनेशनल स्कूल में फोटो प्रदर्शनी 'श्री अरबिंदो के जीवन की पवित्र यात्रा' का दौरा किया।

## न्यूज ब्रीफ

### तुर्की जाने वाले भारतीयों को राहत

## डब्ल्यूएचओ से अप्रूव्ड वैक्सीन लगवाने वाले ट्रैवलर्स को 10 दिन के लिए नहीं किया जाएगा क्वारैंटाइन



**नई दिल्ली।** भारत से तुर्की जाने की प्लानिंग कर रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। अब भारतीय यात्रियों को तुर्की जाने पर 10 दिन क्वारैंटाइन नहीं रहना होगा। तुर्की की सरकार ने वैक्सीनेटेड यात्रियों को छूट देने का ऐलान किया है। हालांकि, ये राहत उन यात्रियों को ही दी जाएगी, जिन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन या तुर्की सरकार की अप्रूव्ड वैक्सीन लगवाई है। यह नियम 12 साल से ज्यादा उम्र के हर व्यक्ति पर लागू होगा। यात्रा करने के लिए कम से कम 14 दिन पहले वैक्सीन का दूसरा डोज लेना जरूरी है। जिन वैक्सीन को अप्रूवल मिला है, उसमें फाइजर, बायोटेक, स्पुतनिक वी और सिनोवैक शामिल है। भारत में लगाई जा रही एस्ट्राजैनेका की कोवैक्सिन को भी इस लिस्ट में शामिल किया गया है। वैक्सीन सर्टिफिकेट होने के बाद भी, भारत से तुर्की जाने वाले यात्रियों को RT-PCR टेस्ट कराना जरूरी है। यात्रियों को 72 घंटे पहले की गई रिपोर्ट दिखानी होगी। जिन यात्रियों ने वैक्सीन नहीं लगवाई है, उन्हें 10 दिन तक होटल या किसी क्वारैंटाइन सेंटर में रहना होगा।

**7 महीने में तुर्की पहुंचे 1 करोड़ से ज्यादा टूरिस्ट:-** तुर्की में 4 सितंबर तक 18 साल के ज्यादा उम्र के 79 फीसदी लोगों को वैक्सीन का पहला डोज और 62 फीसदी लोगों को दोनों डोज लगा चुके हैं। महामारी के बावजूद भी 1.19 करोड़ यात्री जनवरी से लेकर जुलाई तक तुर्की गए थे। जुलाई 2021 में तुर्की पहुंचने वाले इंटरनेशनल पर्यटकों की संख्या 43 लाख थी। इससे पता चलता है कि दुनियाभर से कितने ज्यादा लोग तुर्की घूमने पहुंचते हैं।

एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ भुवनेश्वर में भाकपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।

### अमेरिकी राष्ट्रपति ने चुनावी वादा पूरा किया

# दुनिया के सामने आएंगे 9/11 हमले की जांच से जुड़े दस्तावेज बाइडेन ने चुनाव के वक्त पीड़ित परिवारों से किया था वादा




**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन**

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 9/11 हमलों से संबधित जांच दस्तावेज जारी करने वाले एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर दस्तखत कर दिए। बाइडेन ने इन हमलों के शिकार पीड़ित परिवारों से वादा किया था कि हमलों के बाद फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (स्न्क्चढ्ढ) ने जो जांच की थी, उससे जुड़े कुछ डॉक्यूमेंट्स जारी किए जाएंगे। यह वादा बाइडेन ने नवंबर में अपनी चुनावी रैलियों के दौरान कई बार दोहराया था।

**जस्टिस डिपार्टमेंट को आदेशः-** बाइडेन द्वारा शुक्रवार को जारी आदेश में जस्टिस डिपार्टमेंट से कहा गया है कि वो डीक्लासिफाइ किए जाने वाले डॉक्यूमेंट्स को एक बार फिर देखे लें, ताकि इन्हें रिलीज किया जा सके। अब अटॉर्नी जनरल मैरिक गारलैंड इन दस्तावेजों को देखेंगे और इसके बाद 6 महीने में इन्हें जारी किया जाएगा। बाइडेन ने कहा- %मैंने जो वादा किया था। उसे पूरा करने की दिशा में एक कदम उठा रहा हूं। 11 सितंबर को इन हमलों के 20 साल पूरे हो जाएंगे। 20 साल बाद ही अमेरिकी फौज अफगानिस्तान से वापस आ चुकी है।

### अहम होंगे दस्तावेज

इन दस्तावेजों में 9/11 हमलों की साजिश से संबंधित कुछ जानकारी तो मिलेगी ही, इसके अलावा ये भी पता लग सकता है कि अमेरिका ने भविष्य में इस तरह के हमलों से बचने के लिए क्या तैयारियां की हैं। ऑर्डर में साफ कहा गया है कि उन दस्तावेजों को जारी नहीं किया जा सकता, जिनसे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ जाए। यही वजह है कि जस्टिस डिपार्टमेंट पहले इन्हें देखेगा। बाइडेन पर इन दस्तावेजों को जारी करने का दबाव भी था। कुछ ही दिन पहले 9/11 के पीड़ित परिवारों ने व्हाइट हाउस को एक पत्र लिखकर कहा था कि अगर ये दस्तावेज जारी नहीं किए जाते तो बाइडेन का 9/11 मेमोरियल पर स्वागत नहीं किया जाएगा।

### तीसरी लहर की आहट

# बीते 12 में से 11 दिन कोरोना के एक्टिव केस बढ़े, पॉजिटिविटी रेट भी दोगुना हुआ

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

देश में कोरोना के आंकड़े तीसरी लहर शुरू होने का संकेत दे रहे हैं। बीते 24 घंटे में कोरोना के 42,667 नए मरीजों की पहचान हुई। 36,422 ठीक हुए और 342 की मौत हो गई। इस तरह एक्टिव केस, यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में 5,898 की बढ़ोतरी दर्ज की गई। देश में अभी 3.99 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है। बीते 10 दिन में से 9 दिन 40 हजार से ज्यादा नए केस आए हैं। 24 अगस्त से अब तक, यानी 12 दिनों में 11 बार ऐसा हुआ है जब एक्टिव केस में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सिर्फ 30 अगस्त को एक्टिव केस में 6,200 की कमी आई थी। पॉजिटिविटी रेट भी बढ़ रहा है। 23 अगस्त को यह 1.3त्न था, तो 2 सितंबर को 2.7त्न हो गया। आसान भाषा में समझें तो 23 अगस्त को 300 जांच करने पर 4 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही थी तो अब 8 संक्रमित मिल रहे हैं।

**केरलः-** यहां शुक्रवार को 29,322 लोग संक्रमित पाए गए। 22,938 लोग ठीक हुए और 131 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 41.51 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 38.83 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 21,280 लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 2.40 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है।

## कोरोना के सक्रिय मामलों की दर बढ़कर 1.23 फीसदी

**नई दिल्ली।** देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 42 हजार से अधिक नये मामले सामने आए हैं और इस बीच सक्रिय मामलों की दर बढ़कर 1.23 फीसदी हो गई है। देश में शुक्रवार को 58 लाख 85 हजार 687 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये और अब तक 67 करोड़ 72 लाख 11 हजार 205 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 42,618 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ 29 लाख 45 हजार 907 हो गया है। इस दौरान 36 हजार 385 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर तीन करोड़ 21 लाख से अधिक हो गई है।

## चार सीटों पर उपचुनाव 30 सितम्बर को : आयोग

**नई दिल्ली।** निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सहित चार सीटों पर 30 सितम्बर को उपचुनावों की घोषणा की है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भवानीपुर सीट से ही उपचुनाव लड़ने की संभावना है। आयोग ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की तीन सीटों- भवानीपुर, जांगीपुर और समसेरगंज तथा ओडिशा की पिपली सीट पर उपचुनाव की घोषणा की। आयोग का यह फैसला तब आया है जब पश्चिम बंगाल और ओडिशा के मुख्य सचिवों ने आयोग को सूचित किया कि कोविड-19 की स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने उपचुनाव कराने के लिए हरी झंडी दी है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव ने आयोग को यह भी बताया कि सुश्री बनर्जी भवानीपुर से चुनाव लड़ने का इरादा रखती हैं। यदि उपचुनाव नहीं कराया गया तो राज्य में संवैधानिक संकट पैदा हो जाएगा। गौरतलब है कि सुश्री बनर्जी फिलहाल विधानसभा की सदस्य नहीं हैं और पद पर बने रहने के लिए उनका किसी सीट से सदन की सदस्यता लेना जरूरी है। उन्हें नंदीग्राम सीट पर भाजपा के शुभेन्दु अधिकारी से हार का सामना करना पड़ा था।

हैदराबाद पुलिस कमिश्नर अंजनी कुमार के साथ मिस इंडिया वर्ल्ड मनासा वाराणसी ने हैदराबाद में भरोसा अभियान की शुरुआत की।

## न्यूज ब्रीफ

### टी20 विश्व कप से हट सकते हैं बेन स्टोक्स : रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** टी20 विश्वकप से पहले इंग्लैंड की टीम को बड़ा झटका लग सकता है। इंग्लैंड के ऑलराउंडर खिलाड़ी बेन स्टोक्स आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप से अपना नाम वापिस ले सकते हैं। इससे पहले बेन स्टोक्स ने यूएई में होने वाले आईपीएल में भी राजस्थान रॉयल्स की टीम से अपना नाम वापिस ले लिया है। स्टोक्स ने आईपीएल से पीछे हटने का कारण मानसिक स्वास्थ्य को बताया था और कहा था कि वह क्रिकेट से कुछ समय के लिए ब्रेक लेना चाहते हैं। इंग्लैंड में अखबार में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार बेन स्टोक्स इस समय क्रिकेट के बारे में नहीं सोच रहे हैं। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड टी20 विश्वकप के लिए आने वाले कुछ दिनों में टीम का ऐलान कर सकता है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड स्टोक्स को विश्वकप की टीम में चुनता है या नहीं। आईसीसी के नियमों के अनुसार एक टीम सिर्फ विश्वकप के लिए 15 सदस्यीय खिलाड़ियों का स्कवॉड चुन सकता है और 3 खिलाड़ी रिजर्व के तौर पर होते हैं। वहीं इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष एश्ले जाइल्स ने कहा कि हमारा पहला ध्यान हमेशा हमारे सभी लोगों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर रहा है और रहेगा। हमारे एथलीटों पर विशिष्ट खेल तैयार करने और खेलने की मांग एक विशिष्ट वातावरण में अथक है, लेकिन चल रही महामारी ने इसे और भी जटिल बना दिया है।

### तीसरे दौर में हारी ओसाका, गुस्से में रैकेट तोड़ा

**न्यूयॉर्क।** पिछली चैम्पियन नाओमी ओसाका अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में कनाडा की 18 वर्ष की लीला फर्नांडिज से हार गई जिसके बाद अपने गुस्से पर काबू नहीं रख सकी और रैकेट तोड़ दिया। प्वाइंट के बीच काफी समय लेने के लिये दर्शकों ने ओसाका की काफी हूटिंग भी की। वह आखिर में 5.7, 6.7, 6.4 से हार गई। दुनिया की 73वें नंबर की खिलाड़ी लीला पहली बार ग्रैंडस्लैम के चौथे दौर में पहुंची है। ग्रैंडस्लैम में लगातार 16 मैच और चार खिताब जीतकर आई ओसाका का फ्रेंच ओपन के बाद यह दूसरा ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट था। फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जीतने के बाद उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य कारणों से नाम वापिस ले लिया था। वह विम्बलडन भी नहीं खेली थी लेकिन तोक्यो ओलंपिक में भाग लिया था जहां उन्होंने अग्निकुंड भी प्रज्जवलित किया था।

### ऋषभ पंत के पास बरकरार रहेगी कप्तानी : दिल्ली कैपिटल्स ने दिया बड़ा संकेत, अधिकरी ने

# श्रेयस को दोबारा टीम की कमान संभालने के लिए थोड़ा वक्त लगेगा

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

IPL 2021 के फेज-2 का आगाज 19 सितंबर से होने जा रहा है। यूएई चरण के शुरू होने से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने अपने कप्तान को लेकर बड़े संकेत दिए हैं। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फेज-2 में भी ऋषभ पंत को ही कप्तानी करते देखा जा सकता है।

### टीम नहीं लेना चाहती चांस

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार ऋषभ पंत ने फेज-1 में जो प्रदर्शन किया है, उस लय को ध्यान में रखते हुए टीम फ्रेंचाइजी कोई चांस नहीं लेना चाहती है। IPL-14 के पहले भाग के दौरान ऋषभ पंत ने अपनी कप्तानी से सभी को खासा प्रभावित किया था। उन्होंने आठ मैचों में कप्तानी करते हुए 6 में टीम को जीत दिलाई थी, जबकि सिर्फ दो में टीम को हार का सामना करना पड़ा था। टीम फिलहाल प्वॉइंट्स टेबल में 12 अंकों के साथ पहले पायदान पर है।

### अय्यर को लगेगा थोड़ा वक्त

IPL-14 के पहले भाग के दौरान श्रेयस अय्यर चोटिल होने के चलते टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सके थे। जिसके बाद टीम मैनेजमेंट ने ऋषभ पंत को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी थी, लेकिन अय्यर अब पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और फेज-2 के साथ मैदान पर वापसी को तैयार है। अय्यर के फिट होने के बाद क्रिकेट के गलियारों में यही चर्चाएं चल रही थी कि क्या अब फिर से उनको कप्तान बनाया जाएगा या फिर पंत के पास कप्तानी बरकरार रहेगी। इस पर टीम मैनेजमेंट ने बहुत हद तक अपनी राय साफ कर दी है। यूएई लेग में ऋषभ पंत ही कप्तानी की भूमिका संभालते हुए नजर आएंगे। हालांकि फ्रेंचाइजी ने इसका आधिकारिक एलान नहीं किया है। दिल्ली कैपिटल्स के एक अधिकारी ने हाल ही में अपने बयान में कहा था- श्रेयस अय्यर को दोबारा टीम का कमान संभालने के लिए थोड़ा वक्त लगेगा।

# शूटिंग में मनीष ने गोल्ड और सिंहराज ने सिल्वर जीता, सुहास और प्रमोद, नागर बैडमिंटन फाइनल में

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

टोक्यो पैरालिंपिक में 11 वें दिन भारत के लिए अच्छी शुरुआत रही। शूटिंग में एसएच-1 कैटेगिरी के 50 मीटर एयर पिस्टल में मनीष नरवाल ने गोल्ड और सिंहराज अधाना ने सिल्वर मेडल जीत लिया है। बैडमिंटन में एसएल-4 में नोएडा के डीएम सुहास यथिराज ने भी फाइनल में पहुंच कर भारत के लिए आज का दूसरा मेडल पक्का किया। इससे पहले प्रमोद भगत ने एसएल थ्री में भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया। इनके अलावा एसएच-6 कैटगिरी में भी कृष्णा नागर फाइनल में पहुंच गए हैं। कृष्णा ने सेमीफाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के वर्ल्ड नंबर -5 क्रिस्टन कूंब्स को 21-10, 21-11 से हराया। इसके साथ ही वह बैडमिंटन में कम से कम तीसरा सिल्वर मेडल पक्का कर लिया। इसके साथ ही तीन खिलाड़ी बैडमिंटन के फाइनल में पहुंचे हैं।

### क्या होता है एचएच-6 कैटेगरी

एचएच-6 कैटेगरी में वह खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिनकी लंबाई नहीं बढ़ती। कृष्णा को इस बारे में तब पता चला वह महज दो साल के थे। उन्होंने खुद को पूरी तरह खेल को समर्पित कर दिया।वह हर रोज घर से 13 किमी दूर स्टेडियम जाकर ट्रेनिंग किया करते जिसका फल उन्हें आज मिल रहा है।

### शूटिंग फाइनल में मनीष ने 209.1 स्कोर किया

मनीष ने फाइनल में 209.1 का स्कोर किया, जबकि सिंहराज ने 207.3 स्कोर का सिल्वर मेडल जीता। इससे पहले अधाना क्वॉलिफिकेशन राउंड में 536 अंकों के साथ चौथे स्थान पर थे, जबकि नरवाल 533 अंकों के साथ सातवें स्थान पर थे। अधाना 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं।

### प्रमोद ने फुजिहारा को हराया

प्रमोद ने सेमीफाइनल में जापान के फुजिहारा डाइसुके को 21-11, 21-16 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं सुहास ने इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को 21-9, 21-15 से हराया। इसके साथ ही टोक्यो में भारत के 18 मेडल हो जाएंगे। सुहास नोएडा के छ्रू हैं। इससे पहले भी वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए मेडल जीता है।

### प्रमोद गोल्ड के लिए भिड़ेंगे

प्रमोद भगत गोल्ड मेडल के लिए बेथेल डेनियल के साथ भिड़ेंगे। बेथेल ने मनोज सरकार को सेमीफाइनल में 21-8, 21-10 से हराया। अब मनोज सरकार ब्रॉन्ज मेडल के लिए फुजिहारा डाइसुके के साथ भिड़ेंगे। दोनों मैच शाम को 3 बजे खेले जाएंगे।

### सुहास फाइनल में भिड़ेंगे

सुहास यतिराज एसएल-4 कैटगिरी में गोल्ड मेडल के लिए लिए मजूर लुकास से भिड़ेंगे। फाइनल मैच रविवार को खेला जाएगा। वहीं इसी कैटगिरी में ब्रॉन्ज मेडल के लिए तरुण ढिल्लो इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान से भिड़ेंगे।

**नरेंद्र मोदी ने मनीष को दी बधाई:** - टोक्यो में मनीष नरवाल ने भारत को तीसरा गोल्ड मेडल दिलाया। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके उन्हें बधाई दी है। मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा कि शानदार उपलब्धि के लिए आपको बधाई। आपका यह गोल्ड भारतीय खेल के लिए विशेष महत्व रखता है।

### सौरव गांगुली ने अमिताभ बच्चन से कहा-

# विराट को चैलेंज मत करो, वह बिना शर्ट इंग्लैंड में घूम सकता है

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

हाल ही भारत के पूर्व कप्तान और मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली सहवाग के साथ अमिताभ बच्चन के शो कौन बनेगा करोड़पति में पहुंचे। इस शो में दोनों खिलाड़ियों ने सवालों के जवाब दिए और क्रिकेट के कुछ किस्से कहानियों को भी लोगों के साथ साझा किया। इस शो के दौरान ही सौरव गांगुली ने कहा कि भारतीय टीम के मौजूदा कप्तान विराट कोहली में माद्दा है कि वह इंग्लैंड में बिना शर्ट के घूम सकते हैं। शो के दौरान अमिताभ बच्चन ने सौरव गांगुली से नेटवेस्ट ट्रॉफी जीतने के बाद के जश्न मनाने का कारण पूछा। तो इस पर गांगुली ने कहा कि मेरी बेटी ने भी एक दिन वह सीन देखा और पूछा कि आपने ऐसा क्यों क्या। मुझे लगा कि मैंने 20 हजार से अधिक रन बनाएं हैं और कई बेहतरीन कवर ड्राइव खेली हैं। लेकिन हर कोई सिर्फ लॉर्ड्स बॉलकनी के जश्न मनाने की ही बात रहा है। इस पर अमिताभ बच्चन कहते हैं कि हम सभी को आपका यह अंदाज काफी पसंद आया था। इसके बाद सौरव गांगुली ने कहा कि आप विराट कोहली को चुनौती मत दीजिए। भारतीय टीम के मौजूदा कप्तान विराट कोहली माद्दा है कि वह ऑक्सफॉर्ड की गलियों में बिना शर्ट के घूम सकते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (ब्क्क्रष्ठ) के 51वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान रजत पदक विजेता मुक्केबाज मीराबाई चानू को सम्मानित किया।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

# अर्धशतक बनाने के बाद पोप ने कहा- निराशाजनक चीजों को नजरअंदाज करना सीखा

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

लंदन ॒ इंग्लैंड के मध्यक्रम के बल्लेबाज ओली पोप ने अपने घरेलू मैदान पर अर्धशतक के साथ टेस्ट में वापसी का जश्न मनाने के बाद कहा कि उन्होंने सही लोगों पर भरोसा करके 'निराशाजनक चीजों% को नजरअंदाज करना सीख लिया है। जनवरी 2020 में दक्षिण अफ्रीका में अपना पहला शतक बनाने वाले 23 वर्षीय यह बल्लेबाज इस साल अपनी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहा है। इस मैच में 81 रन (159 गेंद में) की पारी से पहले इस साल का उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर फरवरी में भारत के खिलाफ चेन्नई में 34 रन था। श्रृंखला के शुरुआती तीन टेस्ट के दौरान ड्रेसिंग रूम में समय बिताने वाले पोप



को विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर के स्थान पर अंतिम 11 में शामिल किया गया है। बटलर ने अपने दूसरे बच्चे के जन्म के समय परिवार के साथ समय बिताने के लिए ब्रेक लिया है। पोप ने इस मौके का फायदा उठाते हुए उस समय दो अर्धशतकीय साझेदारियां की जब टीम 62 रन पर पांच विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी। उन्होंने जॉनी बेयरस्टॉ और फिर मोईन अली के साथ शानदार साझेदारी की जिससे इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 290 रन का स्कोर खड़ा करने में सफल रही। पोप ने दूसरे दिन के खेल के बाद कहा कि यह कठिन (टीम से अंदर-बाहर होना) है, मुझे लगा कि यह कभी-कभी निराशाजनक होता है। ईमानदारी से कहूं तो यह सीखने का मौका है। मैंने सीखा है कि निराशाजनक बातों से कैसे निपटना है। मैं दूसरी बातों को नजरअंदाज कर के अपने खेल को लेकर जितना हो सके उतना आश्वस्त होना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि आपको उन लोगों की बात सुननी होगी जिन पर आप भरोसा करते हैं और जिन से आपको सबसे अच्छी सलाह मिल रही है। खिलाड़ियों के रूप में बहुत तरह की बातें सुननी होती है, इंग्लैंड के लिए खेलने के दौरान हमेशा ऐसा होगा। इसलिए यह सही लोगों और उन लोगों को सुनने की कोशिश करने के बारे में है जिन पर आप सबसे ज्यादा भरोसा करते हैं। अगस्त 2020 में पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान अपने कंधे की चोट को याद करते हुए उन्होंने कहा कि यह अब तक एक 'स्टॉप-स्टार्ट (रुकावट से भरा)% करियर रहा है। मैंने लगभग चार साल पहले अपनी शुरुआत की थी। इस दौरान कई बार टीम से अंदर-बाहर होता रहा हूं और कंधे के ऑपरेशन भी हुए हे।

## न्यूज ब्रीफ

### ओएनजीसी विदेश 70 करोड़ डॉलर जुटाएगी

**मुंबई।** ओएनजीसी विदेश (ओवीएल) विदेशी निवेशकों से सिंडिकेटेड ऋण के तौर पर 70 करोड़ डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। इससे कंपनी को विदेशी बाजारों में ब्याज दरों की लाभ का लाभ उठाने और अपने पुराने ऋण की अदायगी करने में मदद मिलेगी। कंपनी ने बैंकों को इस पेशकश में भाग लेने के लिए अपने प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया है। इसमें 20 करोड़ डॉलर का ग्रीन शू ऑप्शन भी शामिल है। कंपनी को इस पेशकश में कई बैंकों के शामिल होने की उम्मीद है क्योंकि उसकी पिछली पेशकश के लिए निवेशकों की ओर से जबरदस्त मांग दिखी थी। लेनदेन के एक करीबी बैंकर ने कहा कि इस सिंडिकेटेड ऋण का मूल्य लिबर के मुकाबले करीब 100 आधार अंकों पर निर्धारित होने की उम्मीद है। बैंकर ने कहा, भारत की अच्छी रेटिंग वाली कंपनियों की जबरदस्त मांग है और ओएनजीसी विदेश को इसका लाभ मिलेगा। इसके अलावा उसे दरों में नरमी का भी फायदा होगा जिसमें इस साल जनवरी के बाद लगातार सुस्ती बरकरार है। बैंकर ने कहा कि इससे पहले कंपनी ने इसी साल मार्च में ऋण के जरिये लगभग इतनी ही रकम जुटाई थी। ओएनजीसी विदेश भारती प्रमुख तेल एवं गैस कंपनी ओएनजीसी की निवेश इकाई है। उसने दुनिया के कई तेल एवं गैस क्षेत्रों में निवेश किया है। ओवीएल की नजर अपने मौजूदा ऋण की लागत को उपयुक्त बनाने पर है।

### आईपीओ लाने की योजना बना रही स्नैपडील

**नई दिल्ली।** ई-कॉमर्स रिटेलर स्नैपडील आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 35 से 40 करोड़ डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। मामले के जानकार सूत्रों ने कहा कि कंपनी 2 से 2.5 अरब डॉलर मूल्यांकन की संभावना तलाश रही है। स्नैपडील में सॉफ्टबैंक बड़ी निवेशक है। कंपनी चाहती है कि छोटे-मझोले शहरों में ई-कॉमर्स कंपनी के विस्तार में खुदरा निवेशकों को भी भागीदार बनने का अवसर देना चाहिए। घटनाक्रम के जानकार सूत्रों ने कहा कि जेएम फाइनैंशियल, ऐक्सिस बैंक और बैंक ऑफ अमेरिका को आईपीओ के लिए बतौर बैंकर नियुक्त किया गया है। इस बारे में पक्ष जानने के लिए स्नैपडील, ऐक्सिस बैंक और जेएम फाइनैंशियल को ईमेल भेजा गया लेकिन कोई जवाब नहीं आया। अगर कंपनी आईपीओ लाने की योजना बनाती है तो यह भी नई पीढ़ी की उन उभरती कंपनियों में शामिल हो जाएगी, जो सूचीबद्ध हुई हैं। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती चार महीनों में 12 कंपनियों ने सूचीबद्धता के जरिये 27,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। स्पैनडील ने खुद को वैल्यू ई-कॉमर्स क्षेत्र की कंपनी के तौर पर स्थापित किया है।

### कपड़ा उद्योग के लिए अच्छी खबर

# प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव स्कीम को जल्द मिल सकती है मंजूरी

### 5 साल में 100 अरब का एक्सपोर्ट टारगेट बनाने पर सरकार का जोर

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

कपड़ा उद्योग को जल्द कुछ अच्छी खबरें मिल सकती है। सरकार कपड़ा निर्यातकों का बकाया इनसेंटिव क्लीयर कर सकती है। टेक्निकल टेक्सटाइल और मैनमेड फाइबर सेगमेंट के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव स्कीम को जल्द कैबिनेट की मंजूरी मिल सकती है। ये बातें केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, कपड़ा, उपभोक्ता मामलों और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने कही हैं।

#### कपड़े का निर्यात पांच साल में तीन गुना करने पर जोर

गोयल ने कपड़े के निर्यात को पांच साल में तिगुना करने पर भी जोर दिया है। उन्होंने कहा कि अभी 33 अरब का कपड़ा निर्यात हो रहा है, जिसे 100 अरब डॉलर तक बढ़ाया जा सकता है। गोयल ने कपड़ा उद्योग के दिग्गजों के एक कार्यक्रम में इस वित्त वर्ष के लिए 44 अरब डॉलर के टेक्सटाइल (हैंडीक्राफ्ट सहित) का एक्सपोर्ट टारगेट हासिल करने पर जोर दिया।

#### डिजाइन और प्रॉडक्ट को दुनिया के लिए मानक बनाना होगा

उन्होंने कहा, कपड़ा निर्यातक दुनिया में भारत के दूत हैं। हमें अपने डिजाइन और प्रॉडक्ट को गोल्ड स्टैंडर्ड बनाने की जरूरत है। उससे हम ग्लोबल मार्केट में ज्यादा शेयर हासिल कर सकेंगे।% उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार पैदा करता है। इससे घर-घर, गांव-गांव के लोग जुड़ सकते हैं। महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में इससे बेहतर कोई सेक्टर नहीं है।

#### मंजूरी प्रक्रिया के एडवांस स्टेज में सात मित्र पार्क की योजना

गोयल ने बताया कि मेगा इनवेस्टमेंट टेक्सटाइल्स पार्क (मित्र पार्क) योजना मंजूरी प्रक्रिया के एडवांस स्टेज में है। सरकार ने तीन साल में ऐसे सात पार्क तैयार करने की योजना बनाई है। इसका ऐलान इसी वित्त वर्ष के बजट में किया गया था। गोयल ने कहा कि सरकार कपड़ा उद्योग की जरूरतों पर विचार करने को तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि जो उद्योग ग्रोथ के लिए सब्सिडी पर निर्भर नहीं रहते, उनकी ग्रोथ ज्यादा होती है।

#### ब्रिटेन, EU, UAE, ऑस्ट्रेलिया के साथ FTA/PTA की बातचीत

उन्होंने कहा कि कपड़ा निर्यात को अपने पैरों पर खड़ा होने और वजूद बनाए रखने की जरूरत है। घरेलू कपड़ा उद्योग में आत्मनिर्भर बनने के सभी गुण हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार संधि तरजीही व्यापार संधि की बात चल रही है। इससे घरेलू कपड़ा उद्योग को ग्लोबल मार्केट में कस्टमर का टिकाऊ बेस बनाने में मदद मिलेगी।

# ग्रीन हाइड्रोजन की लागत घटेगी : अंबानी

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को उम्मीद है कि ग्रीन हाइड्रोजन की लागत एक दशक में घटकर 1 डॉलर प्रति किलोग्राम पर आ जाएगी। अंबानी ने अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन 2021 को संबोधित करते हुए कहा, %ग्रीन हाइड्रोजन की लागत को शुरुआत में 2 डॉलर प्रति किलोग्राम से नीचे लाकर इसे सबसे अधिक सस्ता ईंधन विकल्प बनाने के लिए दुनिया भर में प्रयास जारी हैं। मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि रिलायंस इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए जोर-शोर से

प्रयास करेगी और इसे यह दशक खत्म होने से पहले हासिल कर लेगी। उन्होंने कहा, %मुझे पूरा भरोसा है कि भारत एक दशक में लागत 1 डॉलर प्रति किलोग्राम से नीचे लाने का ज्यादा आक्रामक लक्ष्य भी तय कर सकता है। इससे भारत ग्रीन हाइड्रोजन के लिए एक दशक में 1 डॉलर प्रति किलोग्राम का लक्ष्य हासिल करने वाला दुनिया का पहला देश बन जाएगा। अंबानी ने कहा कि भारत में नई हरित क्रांति शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा, %पुरानी हरित क्रांति ने भारत को खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया। नई हरित क्रांति भारत को ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाएगी।% अंबानी ने ज्यादा नवीकरणीय ऊर्जा की भूमिका तैयार करते हुए कहा, %एक साल में 300 से अधिक दिनों में सूरज की भरपूर रोशनी का फायदा उठाकर भारत आसानी से महज अपनी 0.5 फीसदी जमीन पर 1,000 गीगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन कर सकता है। विकेंद्रित ऊर्जा उत्पादन के लिए सौर एकदम उपयुक्त है, जो विकेंद्रित सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकती है। उन्होंने कहा, %हम स्मार्ट, दो-तरफा ग्रिड, सूक्ष्म ग्रिड, कुशल भंडारण समाधानों और स्मार्ट मीटर में निवेश करके लोगों, समुदायों और पड़ोसियों को ऊर्जा का उपभोक्ता और उत्पादक दोनों बना सकते हैं। इनकी स्थापना मांग के स्थानों के नजदीक की जा सकती है। उनमें रखरखाव की लागत भी कम है। अंबानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2030 तक 450 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य तय किया है।

### उपभोक्ता हितों की सुरक्षा के लिए हों पुख्ता इंतजाम

**नई दिल्ली।** इस वर्ष अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश में वित्तीय बाजार विकसित करने और इसमें गहराई लाने के लिए कई उपायों की घोषणा की थी। इनमें एक एकीकृत प्रतिभूति बाजार संहिता का भी जिक्र हुआ था जो वित्तीय बाजारों पर विभिन्न कानूनों के प्रावधानों को एक सूत्र में पिरोती है। वित्त मंत्री ने एक निवेश चार्टर की भी घोषणा की। यह चार्टर सभी वित्तीय सेवाओं में निवेशकों के अधिकारों को एक संगठित रूप देगा। एक वर्ष पहले वित्तीय क्षेत्र के नियामकों द्वारा तैयार वित्तीय शिक्षा के लिए राष्ट्रीय रणनीति (2020-25) भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जारी की थी। इस रणनीतिक दस्तावेज में उपभोक्ता सुरक्षा एवं शिक्षा पर गहराई से अध्ययन किया गया है।

# सेंसेक्स पहुंचा 58 हजार के पार

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

इस सप्ताह देसी बाजारों में पिछले तीन महीनों में सबसे अच्छी बढ़त रही है। इसमें अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नरम रुख से जोश में आए विदेशी निवेशकों की अहम भूमिका रही है, जिन्होंने लिवाली एकाएक तेज कर दी। बेंचमार्क सेंसेक्स इस हफ्ते 3.6 फीसदी चढ़कर 58,130 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में 23 मई के बाद यह सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त है। इस साल सूचकांक 38वीं बार रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। निफ्टी 50 सूचकांक आज 0.5 फीसदी चढ़कर 17,324 पर बंद हुआ। इस सूचकांक में सप्ताह के दौरान 3.7 फीसदी उछाल आई है और इसने पांच कारोबारी सत्रों में से चार में बढ़त दर्ज की है। आज की उछाल के साथ ही बीएसई सेंसेक्स ने इस साल 10,000 अंक (21.4 फीसदी) चढ़ चुका है। बाजार में तेजडिये हावी रहने का अनुमान तो पहले ही लगाया जा रहा था मगर सेंसेक्स की ऐसी उछाल तो सभी अनुमानों से परे है। सूचकांक वर्ष 2021 की शुरुआत में 47,751 पर था और बहुत से जानकारों ने साल में एक अंक में प्रतिफल का अनुमान जताया था। इस साल देसी और विदेशी निवेशक तगड़ा निवेश कर रहे हैं, जिससे बाजार नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस साल 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा लगाए हैं, जबकि म्युचुअल फंडों की लिवाली 20,000 करोड़ रुपये से अधिक रही है। इसके अलावा पिछले 18 महीनों में रिकॉर्ड संख्या में बाजार में प्रवेश करने वाले नए निवेशक भी आक्रामक लिवाल रहे हैं। बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर 254.2 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछे साल 23 मार्च को 103.7 लाख करोड़ रुपये ही था।

# अमेरिका जाएगा ओला ई-स्कूटर

## क्या टेस्ला की कार भारत आने से पहले अमेरिका में मिलने लगेगा स्कूटर? जानिए सीईओ भाविश ने इस पर क्या कहा

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

ओला अपना इलेक्ट्रिक स्कूटर स1 और स1 प्रो भारत में पिछले महीने लॉन्च कर चुकी है। कंपनी इसी महीने इसकी बिक्री भी शुरू करने वाली है। इस स्कूटर को देश के साथ दुनियाभर में पॉपुलैरिटी मिल रही है। इसकी वजह से कंपनी इस स्कूटर का एक्सपोर्ट जल्द शुरू कर सकती है। कंपनी के सीईओ भाविश अग्रवाल ने 2022 से ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर को एक्सपोर्ट करने की बात कही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि अगले साल से कंपनी संयुक्त राज्य अमेरिका में स्कूटर का एक्सपोर्ट शुरू करेगी। विक्रम वाधवा नाम के यूजर ने सोशल मीडिया पर ओला स्कूटर की एक न्यूज को लिंक करते हुए लिखा कि इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की रफ्तार 70 माइल (करीब 112 द्यद्ध/द्ध) प्रति घंटा होगी। जबकि इसकी कीमत किसी साइकिल के जितनी है। ये बेहद शानदार है। ये स्कूटर का टेस्ला है। ये सिलिकॉन वैली में

मिलेगा तो हमें अच्छा लगेगा। इस पर भाविश ने रिप्लाई किया कि अमेरिका में इसकी शिपिंग 2022 तक करेंगे।

#### क्या टेस्ला आने से पहले यूएस चला जाएगा स्कूटर

भारत में अमेरिकन इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला का श्रीगणेश तो बीते साल ही हो गया था। माना जा रहा था कि कंपनी की गाड़ियां भी यहां मिलना शुरू हो जाएगी, लेकिन इसमें अब तक कोई अपडेट नहीं है। एलन मस्क अब तक ये साफ नहीं कर पाए हैं कि टेस्ला की गाड़ियों की बिक्री भारत में कब से शुरू होगी। भाविश द्वारा ओला ई-स्कूटर को यूएस ले जाने की बात पर चर्चा इस बात की शुरू हो गई है कि क्या टेस्ला के भारत आने से पहले ओला ई-स्कूटर यूएस चला जाएगा। सोशल मीडिया पर अरविंद गुप्ता जो डिजिटल इकोनॉमी और पॉलिसी के एक्सपर्ट हैं और भारत सरकार के BJPTech कंपनी के CEO रह चुके हैं, उन्होंने भी लिखा है कि ओला स्कूटर अमेरिका में टेस्ला के भारत आने से पहले मिलना शुरू हो जाएगा। 3 सेकेंड में 0 से 40 द्यद्व की स्पीड ओला ने स1 स्कूटर में 8.5 किलोवॉट पीक पावर जनरेट करने वाली मोटर लगाई गई है। इस मोटर को 3.9 किलोवॉट कैपेसिटी वाली बैटरी से जोड़ा गया है। ये 0 से 40 किलोमीटर की स्पीड सिर्फ 3 सेकेंड में पकड़ लेता है। इसकी टॉप स्पीड 115 किमी प्रति घंटा है।

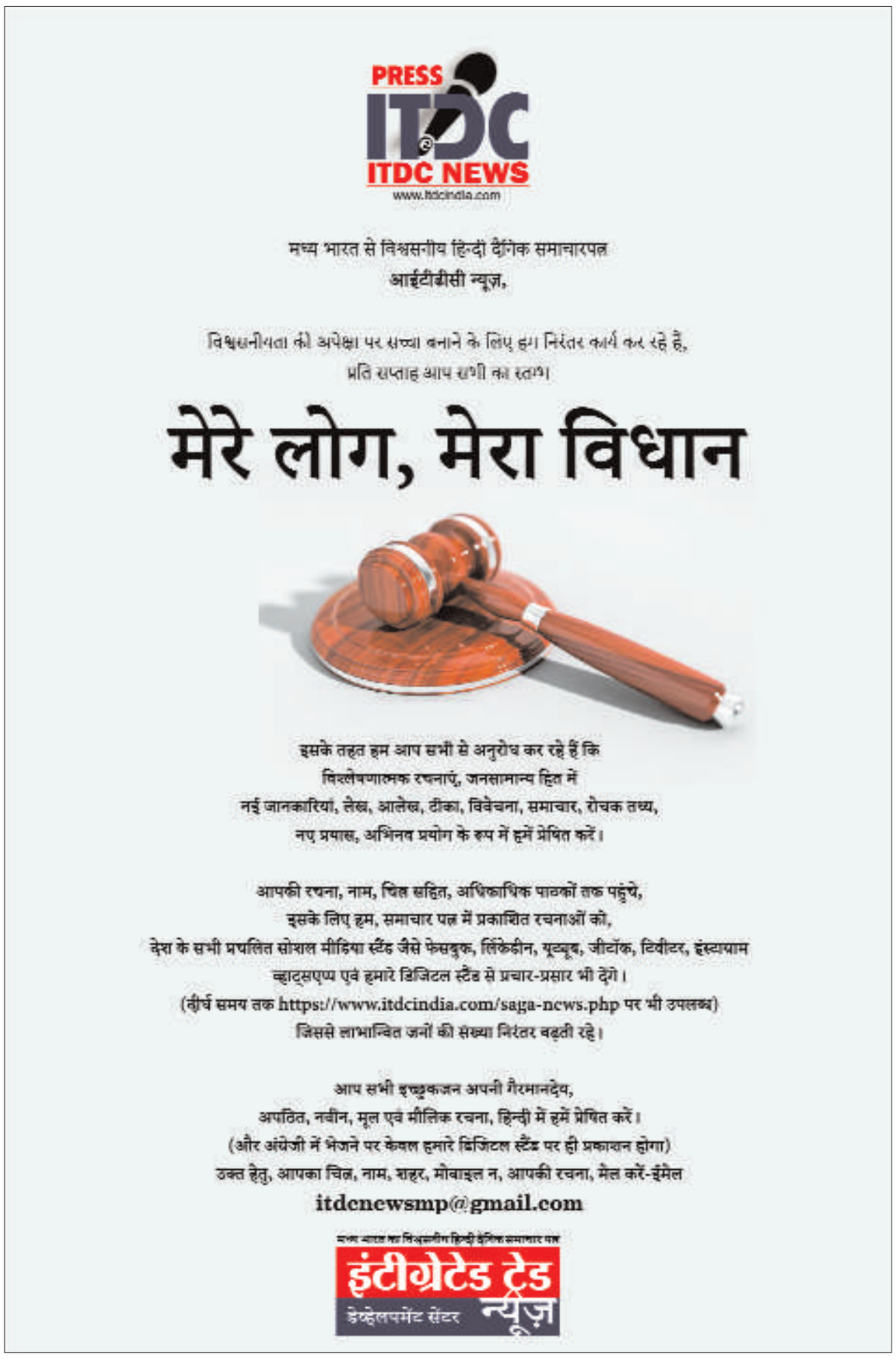


इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।